दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 72 | जयपुर, मंगलवार, 20 फरवरी, 2024 | माघ, शुक्ल पक्ष- एकादशी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

मौसम विभाग का रेड अलर्ट: लाहौल में दो दिन के लिए शिक्षण संस्थान बंद, 300 गांवों में बिजली ठप

हिमाचल में बर्फ की चादर से ढके पहाड़, अटल टनल रोहतांग बंद

एजेंसी। शिमला/रोहतांग/केलांग

हिमाचल प्रदेश में रेड अलर्ट के बीच सोमवार को उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बर्फबारी हुई। अटल टनल रोहतांग और जलोड़ी दर्रा में बर्फबारी से आवाजाही ठप हो गई है। लाहौल में मंगलवार और बुधवार के लिए शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं।

राजधानी शिमला और धर्मशाला सहित प्रदेश के अधिकतर निचले क्षेत्रों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चला। मनाली में फाहे गिरे। बर्फबारी से नेहरू कुंड में ट्रैफिक जाम रहा। कांगड़ा जिले में धौलाधार की पहाड़ियों पर भी

बर्फबारी हुई है। चंबा, कुल्लू और शिमला जिले में कई जगह बारिश भी हुई। सेब के लिए बर्फबारी और गेहूं के लिए बारिश को अच्छा माना जा रहा है। टमाटर व शिमला मिर्च की बिजाई का भी समय अब हो गया है। जनजातीय क्षेत्र पांगी की 42 सड़कों समेत जिले के कुल 44 मार्गों पर बर्फबारी और बारिश से वाहनों के पहिए जाम हो चुके हैं। वहीं, जिले के 300 गांवों में बिजली ठप है।

भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला का दावा है कि प्रदेश के कई भागों में भारी से बहुत भारी बारिश-बर्फबारी, 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का रेड अलर्ट है। हालांकि, शिमला सहित अन्य निचले भागों में अभी तक इस अलर्ट का असर देखने को नहीं मिला है। 20 फरवरी के लिए ऑरेंज अलर्ट और 21 के लिए अंधड़ व बिजली चमकने का येलो अलर्ट जारी हुआ है। 22 फरवरी को भी प्रदेश में बारिश-बर्फबारी का पूर्वानुमान है। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में 24 फरवरी तक मौसम खराब रहने की संभावना है।

बर्फबारी से मनाली में ट्रैफिक जाम

मनाली में बर्फबारी के बीच ट्रैफिक जाम ने पर्यटकों की दिक्कतें बढ़ा दी हैं। नेहरु कुंड, पलचान और सोलंगनाला में पर्यटकों की भीड़ जुटने से जाम लग गया। इससे पुलिस की भी दिक्कतें बढ़ गईं। अतिरिक्त जवानों की तैनाती के बाद जाम लगने से लोगों में नाराजगी है। जाम के कारण स्थानीय लोग भी परेशान हैं। पर्यटन स्थल मनाली में बर्फबारी शुरू होने से सैलानियों सहित पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिल गए हैं।

प्रदेश में कई जगहों पर बारिश और ओलावृष्टि की संभावना

जयपुर। प्रदेश में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से आगामी दिनों में कई इलाकों में हल्की बारिश के आसार बन रहे हैं। साथ ही भरतपुर में एक-दो जगह ओलावृष्टि का पूर्वानुमान भी जताया गया है।

मौसम केंद्र जयपुर के मुताबिक एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पाकिस्तान क्षेत्र के ऊपर एक प्रेरित परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके कारण जोधपुर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना है। इस दौरान भरतपुर संभाग में एक-दो स्थानों पर ओलावृष्टि के आसार हैं।

इसके साथ ही 21 फरवरी को प्रदेश के अधिकांश भागों में मौसम शुष्क रहने और भरतपुर संभाग में हल्की बारिश की संभावना है।

जरूरी खबर

आज जम्मू कश्मीर जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को जम्मू कश्मीर जाएंगे। पीएम मोदी जम्मू शहर के मौलाना आजाद स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान 30,500 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएं स्वास्थ्य, शिक्षा, रेल, सड़क, विमानन, पेट्रोलियम, नागरिक बुनियादी ढांचे सहित कई क्षेत्रों से संबंधित हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री जम्मू-कश्मीर के लगभग 1500 नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को नियुक्ति आदेश वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री 'विकसित भारत विकसित जम्मू' कार्यक्रम के तहत विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत भी करेंगे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

मोदी ने गर्भगृह में किया भूमि और शिला पूजन

संभल में कल्कि धाम मंदिर के शिलान्यास समारोह में बोले PM मोदी...

'कालचक्र बदल गया है, नए युग की हो चुकी है शुरुआत'

एजेंसी। संभल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संभल जिले के ऐचोड़ा कंबोह में श्री कल्कि धाम की आधारशिला रखी। उन्होंने गर्भगृह में भूमि पूजन और शिला पूजन किया। अनुष्ठान उज्जैन के बाबा महाकाल मंदिर से जुड़े महात्माओं ने संपन्न कराया। उस वक्त गर्भगृह में सीएम योगी आदित्यनाथ और आचार्य प्रमोद कृष्णम भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने कहा कि 22 जनवरी से देश में नए कालचक्र की शुरुआत हो चुकी है। प्रभु श्रीराम ने जब शासन किया, तो उसका प्रभाव हजारों वर्ष तक रहा। उसी तरह रामलला के विराजमान होने से अगले हजार वर्षों तक भारत के लिए एक नई यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। भगवान राम की तरह ही कल्कि अवतार भी हजारों वर्षों की रूपरेखा तय करेगा। हम ये कह सकते हैं कि कल्कि कालचक्र के परिवर्तन के प्रणेता भी हैं और प्रेरणास्रोत भी हैं। भारत पराभव से भी विजय को खींच लाने वाला राष्ट्र है। हम पर सैकड़ों वर्षों तक इतने आक्रमण हुए। कोई और देश होता, कोई और समाज होता तो लगातार इतने आक्रमणों की चोट से पूरी तरह नष्ट हो गया होता। फिर भी हम न केवल डटे रहे, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत होकर सामने आए। देश में सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का ज्वार अद्भुत है आज पहली बार भारत उस मुकाम पर है, जहां हम अनुसरण नहीं कर रहे, उदाहरण पेश कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज यूपी की धरती से भक्ति, भाव और अध्यात्म की एक और धारा प्रवाहित होने को लालायित है।

-पेज 3 भी देखें

हमें आज भी भावुक कर जाती है रामलला की अनुभूति

इससे पहले पीएम मोदी ने तीन बार जय मां कैला देवी का उद्घोष कर अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने जय बूढ़े बाबा और भारत माता की जय का जयघोष किया। पिछले महीने 22 जनवरी को अयोध्या में 500 सालों के इंतजार को पूरा होते देखा है। रामलला के विराजमान होने का अलौकिक अनुभव, दिव्य अनुभूति अब भी हमें भावुक कर जाती है। इसके बाद देश से सैकड़ों किमी दूर अरब की धरती पर आबू धाबी में पहले विराट मंदिर के उद्घाटन के साक्षी बने हैं। पहले जो कल्पना से परे था, वह अब हकीकत बन चुका है। अब हम यहां संभल में कल्कि धाम के शिलान्यास के गवाह बन रहे हैं।

अब भारत पेश करता है उदाहरण

पीएम मोदी ने कहा कि जैसे संत नए मंदिर बनवा रहे हैं वैसे ही मुझे ईश्वर ने राष्ट्ररूपी मंदिर का दायित्व सौंपा है। दिन रात राष्ट्ररूपी मंदिर को भव्य करने में लगा हूं। इसके परिणाम भी तेजी से मिल रहे हैं। आज पहली बार भारत उस मुकाम पर है जहां भारत अनुसरण नहीं उदाहरण पेश कर रहा है। हमारी पहचान इनोवेशन हब के तौर पर हो रही है। पहली बार दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहले देश हैं। वंदेभारत और नमोभारत जैसी ट्रेनें चल रही हैं। पहली बार बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी है।

विकसित भारत का लिया संकल्प

भारत जब भी बड़े संकल्प लेता है तो उसके मार्गदर्शन के लिए ईश्वरीय रूप में कोई न कोई हमारे बीच जरूर आता है। भगवान कल्कि के आशीर्वाद से हमारे संकल्प सिद्धि तक पहुंचेंगे।

शक्ति भी अनंत और संभावनाएं भी अपार

पीएम ने कहा कि आज हमारी शक्ति भी अनंत है और हमारे लिए संभावनाएं भी अपार हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की भावना से काम हो रहा है। 4 करोड़ से ज्यादा लोगों को पक्के घर, 11 करोड़ घरों को इज्जतघर, ढाई करोड़ परिवारों को बिजली, 10 करोड़ परिवारों को पानी कनेक्शन, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशनस्वच्छ भारत जैसे अभियान की पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है।

प्रदेशाध्यक्ष ने जॉइन कराई भाजपा

मालवीय ने थामा बीजेपी का दामन

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को करारा झटका लगा है। सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी रह चुके चार बार के विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया। इसके साथ उन्होंने बागीदौरा विधानसभा सीट से विधायक पद से इस्तीफा भी दे दिया है। मालवीय को वागड़ क्षेत्र का दिग्गज नेता माना जाता है। आदिवासी इलाके में मालवीय का मजबूत वर्चस्व है।

महेंद्रजीत सिंह मालवीय सोमवार को भाजपा के जयपुर मुख्यालय पर अपनी पत्नी रेशम मालवीय के साथ पहुंचे, जहां उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस मौके पर मालवीय ने कहा कि उनका बीजेपी में शामिल होने का एकमात्र कारण वागड़ क्षेत्र का विकास है। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कोई विजन नहीं है। मालवीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी जमकर तारीफ की।

प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने बोला हमला

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मालवीय पर हमला बोलते हुए कहा कि काफी समय से उनका संदिग्ध आचरण दिखाई दे रहा था। इस कारण उन्हें सरकार बनने के ढाई साल बाद मंत्री बनाया गया। पिछले चुनाव के दौरान कांग्रेस के नेताओं ने भी उनकी कई बार शिकायत की। डोटासरा ने कहा कि मालवीय के कांग्रेस से जाने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है, बल्कि कांग्रेस और मजबूत होगी।

लोकसभा चुनाव का आज शंखनाद करेंगे अमित शाह

बीकानेर/उदयपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर राजस्थान में बीजेपी सक्रिय हो चुकी है। इसको लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार को बीकानेर से लोकसभा चुनाव के लिए शंखनाद करेंगे। इस दौरान अमित शाह उदयपुर और जयपुर में भी पदाधिकारियों की बैठक कर उनमें चुनाव के लिए जोश भरेंगे। अमित शाह एक ही दिन में मंगलवार को बीकानेर और उदयपुर में बैठकें लेंगे। उनका जयपुर में भी एक संवाद कार्यक्रम प्रस्तावित है।

शाह के इस दौरे का करीब 9 लोकसभा सीटों पर सीधा असर पड़ेगा। शाह का यह दौरा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और पीएम मोदी की सभा से पहले हो रहा है। हालांकि नड्डा और पीएम मोदी की सभाओं की तारीख अभी तय नहीं बताई जा रही।

किसान आंदोलन का 7वां दिन

किसानों ने ठुकराया सरकार का प्रस्ताव, हरियाणा में इंटरनेट पर बढ़ी पाबंदी

एजेंसी | नई दिल्ली

अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे किसानों को मनाने की केंद्र सरकार की कोशिश एक बार फिर नाकाम साबित हुई है। किसानों से केंद्र सरकार की चौथी बैठक भी विफल रही। संयुक्त किसान मोर्चा ने सोमवार को केंद्र के एमएसपी से जुड़े प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया।

केंद्र की ओर से किसानों के सामने कथित तौर पर पांच साल के कॉन्ट्रैक्ट पर एमएसपी का प्रस्ताव दिया गया था। किसानों के प्रमुख संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) सरकार के प्रस्ताव सहमत नहीं हो पाया। एसकेएम ने कहा कि एमएसपी में C2+50% से नीचे कुछ भी मंजूर नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से यह प्रस्ताव रविवार की रात किसानों के साथ चौथे चरण की बैठक के दौरान रखा गया था।

चौथी बैठक में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा और नित्यानंद राय शामिल हुए थे। किसानों ने इस पर तत्काल जवाब नहीं दिया था। सोमवार को किसानों ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी।

रणनीति बनाने में जुटे किसान

किसान संयुक्त मोर्चा ने ऐलान किया कि वह आंदोलन तेज करेगा। देश भर में सांसदों, विधायकों और प्रदेश अध्यक्षों को काले झंडे दिखाए जाएंगे। किसान मोर्चा दिल्ली में 21 और 22 फरवरी को मीटिंग करेगा। इसमें आंदोलन से जुड़ी आगे की रणनीतियां तैयार की जाएंगी। इस बीच किसान नेता पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर जुटे हैं। एसकेएम की बैठक के बाद दिल्ली चलो रैली को लेकर कोई अहम फैसला लिया जा सकता है।

7 जिलों में अभी बैन रहेगा इंटरनेट

हरियाणा में इंटरनेट सेवाओं के ठप रहने की समयावधि को लगातार बढ़ाया जा रहा है। अब सरकार ने नया आदेश जारी किया है। हरियाणा गृह विभाग से जारी नए आदेश के मुताबिक अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल,जींद, फतेहाबाद और सिरसा में इंटरनेट सेवाएं 20 फरवरी रात 12 बजे तक बंद रहेंगी। हरियाणा में अब इंटरनेट बंद करने को लेकर गृह विभाग ने तीसरी बार आदेश जारी किया है।

चुनावी वादे को पूरा नहीं कर रही सरकार

किसानों का दावा है कि 2014 के चुनावी घोषणापत्र में किसानों को C2+50% एमएसपी देने की बात कही थी। सरकार अब यह वादे से मुकर रही है। गौरतलब है कि स्वामीनाथन आयोग ने 2006 की अपनी रिपोर्ट में केंद्र को इसी फॉर्मूले पर एमएसपी लागू करने का सुझाव दिया था। किसान चाहते हैं कि इसी आधार पर सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी दी जाए। ऐसा होता है तो किसान अपनी फसल एक तय कीमत पर बेच सकेंगे।

जरूरी खबर

चिकित्सा मंत्री ने अपने आवास पर की जनसुनवाई

बेधड़क. जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने सोमवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने प्रदेशभर से बड़ी संख्या में आए लोगों के अभाव अभियोग सुने और इनके त्वरित निस्तारण के लिए निर्देश दिए। चिकित्सा मंत्री जनसुनवाई के दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों से आत्मीयता के साथ मिले और उनकी परिवेदनाएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को इन परिवेदनाओं पर शीघ्र कार्यवाही कर राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

सरपंच सहित पांच को किया निलंबित, एक एपीओ

बेधड़क. जयपुर। नीम का थाना जिले के थोई क्षेत्र की चीपलाटा पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी ललित कुमार के आत्म हत्या प्रकरण में सरकार ने कार्रवाई की है। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर शासन सचिव एवं आयुक्त रवि जैन ने चीपलाटा सरपंच मनोज गुर्जर, पंचायत समिति अजीतगढ़ के सहायक विकास अधिकारी मंगल चंद सैनी, दीपा वास ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह, ग्राम पंचायत सकराय व अतिरिक्त चार्ज ग्राम पंचायत चीप लाटा के कनिष्ठ सहायक जगदेव एवं ग्राम पंचायत हरजनपुरा के कनिष्ठ सहायक पोखर मल को निलंबित किया है। साथ ही अजीतगढ़ पंचायत समिति के विकास अधिकारी अजय सिंह नाथावत को एपीओ किया है।

दिव्यांगजनों का पुरस्कार वितरण समारोह 22 को

बेधड़क. जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय दिव्यांगजन पुरस्कार समारोह का आयोजन 22 फरवरी को जयपुर स्थित भगवंत सिंह मेहता सभागार, नेहरू भवन, हरिचन्द्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान में दोपहर 1 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवां होंगे, इस अवसर पर 31 सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजनों एवं विशेष योग्यजनों के लिए कार्यरत 23 सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर एनजीओ पोर्टल का शुभारंभ किया जाना भी प्रस्तावित है। विशेष योग्यजन निदेशालय के आयुक्त श्री एच गुईटे द्वारा "मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी वितरण समारोह" और राज्य स्तरीय दिव्यांगजन पुरस्कार समारोह के आयोजन के तैयारियों के संबंध में सोमवार को बैठक ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पाली दौरे के दौरान अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कहा...

जनसेवा की भावना के साथ कार्य करें अधिकारी-कर्मचारी

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए आमजन की समस्याओं को समझें व समयबद्ध रूप से उनका समाधान करें। इस कार्य में लापरवाही बरतने पर उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन को सुशासन के माध्यम से राहत देने के लिए हर विभाग अपने महत्वपूर्ण कार्यों का निर्धारण करें व समस्त अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित हो। शर्मा सोमवार को पाली जिले के जिला परिषद् सभागार में जिला

स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास को गति प्रदान करने में सभी को टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए संवेदनशीलता के साथ समय से तय लक्ष्यों की प्राप्ति करनी होगी। उन्होंने जिले में जन-सुनवाई, औचक निरीक्षण, चिकित्सा सुविधा, कानून-व्यवस्था, लम्बित राजस्व प्रकरण तथा अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, सांसद पीपी चौधरी, विधायक पुष्पेंद्र सिंह, केसाराम चौधरी व शोभा चौहान, जिला प्रमुख रश्मि सिंह, पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, संभागीय आयुक्त प्रतिभा सिंह, पाली रेंज पुलिस उप महानिरीक्षक ओमप्रकाश मेघवाल, जिला कलेक्टर एल एन मंत्री एवं पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर नियमित करें मॉनिटरिंग

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को राहत प्रदान करने के लिए समस्त विभागों में कार्य निर्धारण किया जाना चाहिए। उन्होंने जिला कलेक्टर व विभागीय अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए नियमित प्रतिदिन एक घंटा जनसुनवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह हर विभाग के कार्यों की समीक्षा कर नियमित मॉनिटरिंग करें। आमजन की परिवेदनाओं को तुरन्त संबंधित विभागों में भेजकर निस्तारण हेतु शीघ्र कार्रवाई भी की जाए। उन्होंने विशेष रूप से जिला स्तर, उपखण्ड स्तर व ग्राम स्तर पर नियमित जनसुनवाई करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि आमजन को राहत पहुंचाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने जनता से जुड़े कार्यों को समय से पूरा करने में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें सम्मानित करने के भी निर्देश प्रदान किए।

लम्बित राजस्व प्रकरणों शीघ्र हो निस्तारण

मुख्यमंत्री ने राजस्व से संबंधित लम्बित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण लम्बित राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता देते हुए उनका निस्तारण किया जाए। इसके लिए उच्चाधिकारी इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग भी करें। शर्मा ने समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर तथा समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को कार्यालयों के औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित औचक निरीक्षण से कार्यों की वस्तुस्थिति का भी सही आंकलन किया जा सकेगा व पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

पुलिस ने स्टैच्यू सर्किल पर रोका, बैरिकेड्स पर चढ़ी महिलाएं

पैदल मार्च निकाल कर मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

बेधड़क | जयपुर

■ केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

फोटो: पंकज शर्मा

आयकर विभाग की ओर से कांग्रेस के खाते फ्रीज किए जाने के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में उबाल दिख रहा है। इस मामले में सोमवार को कांग्रेस ने जयपुर में बड़ा प्रदर्शन किया। इसके तहत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीसीसी वॉर रूम से आयकर विभाग तक पैदल मार्च निकाला। इसमें कार्यकर्ता केंद्र सरकार की तानाशाही के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े।

इस दौरान उन्हें स्टैच्यू सर्किल पर पुलिस की ओर से रोक दिया गया। इस पर कार्यकर्ता आगे बढ़ने के लिए पुलिस से जद्दोजहद करने लगी और देखते ही देखते माहौल गरमा गया। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता और महिलाएं बैरिकेड्स पर चढ़कर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने पूरे जोश के साथ केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि बीजेपी कांग्रेस को खत्म करना चाहती है, लेकिन कांग्रेस खत्म होने वाली नहीं हैं। बीजेपी जितना टकराव पैदा करेगी, कांग्रेस उतना उभरकर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केवल धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाकर राज करना चाहती है। केंद्र सरकार ने लोकतंत्र को भी नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस देश के लोकतंत्र को बचाने और आमजन की पीड़ा के समाधान के लिए संघर्ष करती रहेगी। प्रदेश कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता सुबह 11:15 बजे कांग्रेस वॉर रूम से पैदल मार्च के रूप में आयकर विभाग के लिए रवाना हुए। करीब 15 मिनट बाद 11:30 बजे स्टैच्यू सर्किल पर पुलिस ने सभी को रोक दिया।

बैरिकेड्स फांद दूसरी तरफ कूदे नेता

प्रदर्शन में कांग्रेस नेता पुलिस की ओर से लगाए गए बैरिकेड्स फांदकर दूसरी तरफ कूद पड़े। इसमें उनको रोकने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को बैरिकेड्स कूदने के बाद भी आगे नहीं बढ़ने दिया। इस पर कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ जमीन पर बैठकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसी बीच दोपहर करीब 12:15 बजे पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती पुलिस में बैठाया गया। महिला कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

पार्टियों को चुनाव लड़ने से रोका जा रहा

मार्च के दौरान विधायक अमीन कागजी, रफीक खान, शिखा बराला, प्रशांत शर्मा, रोहित बोहरा, अभिमन्यू पूनियां, रफीक खान, हरीश मीणा, विधायक संयम लोढ़ा आदि मौके पर पहुंचे। वहीं, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, यूथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सूरा भी प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान दौरान विधायक रफीक खान ने कहा कि आज भारत का लोकतंत्र खतरे में है। जिन कारणों से खाते सीज किए गए हैं, उन पर जाएंगे तो देश के बड़े कॉर्पोरेट घरानों के खाते सीज हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देशभर में राजनीतिक पार्टियों को चुनाव लड़ने से रोकने का प्रयास कर रही है। ऐसे में देश के लोकतंत्र पर ओर अधिक खतरा मंडरा रहा है।

आईआईएफसीएल की कार्यशाला

प्रदेश के विकास के लिए सड़कें पहली आवश्यकता: दीया

बेधड़क | जयपुर

सड़कें किसी भी प्रदेश के विकास कि पहली सूचक होती हैं। जब कोई व्यक्ति बाहर से आता है तो किसी प्रदेश कि सड़कों को देख कर ही उस राज्य के विकास की छाप अपने मन में बनाता है। प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक, औधोगिक विकास के लिए अच्छी सड़कें पहली आवश्यकता होती है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को निर्माण भवन में सड़क आधारभूत विकास के लिए वित्तीय मॉडल्स् विषय पर आईआईएफसीएल प्रोजेक्ट्स एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आर्थिक, औधोगिक, पर्यटन आदि के विकास कि बहुत सम्भावनाएं है, जिसके लिए अच्छी सड़कें सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में अच्छी गुणवत्ता की सड़को के तेजी से विकास के लिए आईआईएफसीएल प्रोजेक्टस के साथ मिलकर उसी गति से काम करेंगे। जैसे केन्द्र सरकार देश के विकास के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को विकसित राजस्थान बनाने के लिए हमे सोच में बदलाव लाकर पारम्परिक सोच से आगे बढकर काम करना होगा, तभी हम राजस्थान के सड़क नेटवर्क को तमिलनाडू, महाराष्ट्र, गुजरात आदि राज्यों जैसा या उससे मजबूत कर पाएंगे। उन्होने कहा कि यह वर्कशाप प्रदेश में सड़क विकास मे वित्त कि व्यवस्था के लिहाज से बहुत सार्थक साबित होगी।

उन्होने कहा कि राजस्थान सरकार एनएचएआई की तरह आरएसएचए को एक प्रमुख फाइनेंसर और राज्य राजमार्ग प्राधिकरण के रूप में विकसित करने के लिए तत्पर है और अपने जनादेश को पूरा करने में मदद के लिए आईआईएफसीएल प्रोजेक्टस के साथ मजबूती से काम करेगी।

कुलपति को ज्ञापन सौंपा, कार्रवाई की मांग

आरयू में SFI कार्यकर्ताओं से मारपीट का जताया विरोध

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान यूनिवर्सिटी में एसएफआई कार्यकर्ता से एबीवीपी कार्यकर्ताओं द्वारा कथित मारपीट किए जाने के मामले में विरोध तेज होने लगा है। इसको लेकर एसएफआई कार्यकर्ताओं ने सोमवार को आक्रोश जताया।

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति अल्पना कटेजा को आरोपियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। एसएफआई राजस्थान यूनिवर्सिटी ईकाई महासचिव राजकुमार वर्मा ने आरोप लगाया कि एबीवीपी से जुड़े कुछ छात्रों ने सरस्वती गार्डन में उनके कार्यकर्ताओं से मारपीट की है। इससे कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त है। इस पर कार्रवाई नहीं की गई तो हम सड़कों पर उतरेंगे। एसएफआई के जिला अध्यक्ष कपिल राव ने कहा कि एबीवीपी और बीजेपी की नीति शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने की रही है। शिक्षा और शिक्षा के संस्थानों को बचाने के लिए हमारा संगठन संघर्ष करेगा। प्रदर्शन में राज्य कमेटी सदस्य सागर कुमार, दशरथ चौधरी, केडी, दिनेश, प्रदीप, तनिष्क, रजत बेनीवाल, अनिल पूनियां सहित काफी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

केंद्रीय गृहमंत्री के दौरे की रिहर्सल में हूपर बना खलल

जयपुर। नगर निगम की व्यवस्थाएं कब धोखा देकर बेपटरी जाए इसकी बानगी सोमवार को जेएलएन मार्ग पर देखने को मिली। दरअसल ओटीएस चौराहे पर केंद्रीय ग्रह मंत्री अमित शाह के दौरे की रिहर्सल चल रही थी। इसी बीच ग्रेटर नगर निगम का एक हूपर बीच चोराहे पर तकनीकी खामी के चलते रुक गया। इस पर निगमकर्मियों और पुलिसकर्मियों की सांसें फूल गई। इस बीच गृहमंत्री के दौरे को लेकर रिहर्सल का काफिला भी गुजरने वाला था, लेकिन हूपर स्टार्ट ही नहीं हो पाया। इसके बाद काफिले के गुजरने पर क्रेन मंगवाकर हूपर को सड़क से हटाया गया।

जयपुर जंक्शन पर जारी किया क्यूआर कोड

अब रेल यात्री जनरल टिकट के लिए भी कर सकेंगे ऑनलाइन पेमेंट

बेधड़क | जयपुर

जयपुर रेलवे स्टेशन पर यात्री जनरल टिकट के लिए भी ऑनलाइन पेमेंट कर सकेंगे।

रेलवे ने प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया विजन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक जयपुर विकास पुरवार के दिशा निर्देशन में जयपुर रेलवे स्टेशन पर अनारक्षित टिकट काउन्टर पर ऑनलाइन भुगतान को और सरल बनाने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करके भुगतान करने की सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत जयपुर रेलवे स्टेशन पर प्रथम चरण में 6 यूटीस काउन्टर पर क्यूआर कोड

स्कैनर मशीन लगाई गई है जिससे यात्री यूटीएस काउन्टर पर जारी की जाने वाली टिकट के लिए किराए का भुगतान मशीन पर प्रदर्शित क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करके ऑनलाइन माध्यम से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। जल्द ही यह सुविधा मंडल के अन्य स्टेशनों पर प्रदान की जाएगी, जिससे यात्री क्यूआर कोड से स्कैन कर ऑनलाइन भुगतान करके आसानी से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। कृष्ण कुमार मीना वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर ने बताया कि यूटीएस काउन्टर पर क्यूआर कोड स्कैनर द्वारा किराये के ऑनलाइन भुगतान की सुविधा प्रारंभ करने से पूर्व यह सुविधा ट्रेनों में भी लागू की जा चुकी है। इसके लिए रेलवे द्वारा सभी टिकट चेकिंग स्टाफ (टीटीई) को टिकट चेकिंग के लिए हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) उपलब्ध करवाई गई है। इसमे यात्री की ओर से किराए एवं जुर्माना राशि का क्यूआर कोड स्कैनर द्वारा ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। इस प्रकार ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध होने से टिकट जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सरलीकरण होगा तथा यात्रियों को भी भुगतान में सुविधा होगी।

ट्रेन में मिले बच्चे को माता-पिता से मिलाने पर टीटीई सम्मानित

ट्रेन में टिकट चैकिंग के दौरान मिले एक बच्चे को अपने परिजनों से मिलाने पर रेलवे ने टीटीई को सम्मानित किया है। जयपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण कुमार मीना व मंडल वाणिज्य प्रबंधक विपिन कुमार शर्मा ने टीटीई द्वारा किए गए कार्य की सराहना की व टीटीई को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जानकारी के अनुसार गत 15 फरवरी को राजेन्द्र नगर पटना-अजमेर ट्रेन में डिप्टी सीटीआई आशीष देवरहा

को जयपुर से अजमेर तक टिकट चेकिंग के दौरान 11 वर्षीय बच्चा मिला। टीटीई के पूछने पर बच्चे ने अपना नाम अर्जुन व अपनी स्कूल का नाम बताया। इस पर टीटीई नेट के माध्यम से स्कूल के प्रिंसिपल के नम्बर सर्च कर प्रिंसिपल से बात की। जिससे बच्चे के पिताजी के मोबाइल नम्बर प्राप्त कर, उसके पिता से बात की और बच्चे के बारे में जानकारी दी। टीटीई ने अजमेर से जयपुर वापसी गाडी में बच्चे को साथ लाकर जयपुर रेलवे स्टेशन पर बच्चे के माता-पिता को सुपुर्द किया। टीटीई की सजकता को देखते हुए रेलवे ने सम्मानित किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभल में श्री कल्कि धाम मंदिर की रखी आधारशिला

धर्म की रक्षा, अधर्म का अंत करेंगे कल्कि

सम्भलग्राममुख्यस्य ब्राह्मणस्य महात्मनः।
भवने विष्णुयशसः कल्कि प्रादुर्भविष्यति॥

अर्थातः संभल में विष्णु यश नाम के एक ब्राह्मण होंगे। उनके घर कल्कि भगवान अवतार लेंगे। श्रीमद्भागवत महापुराण के 12वें स्कंद के 24वें श्लोक में यह लिखा गया है। यह बात भविष्य की है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संभल में उसी जगह श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास किया, जहां कलयुग के देवता का जन्म होगा।

भारत के इतिहास में राम मंदिर के बाद संभल में एक और भव्य मंदिर का निर्माण

सीएम योगी आदित्यनाथ, आचार्य प्रमोद कृष्णम, सदगुरु रितेश्वर सहित कई महामंडलेश्वर रहे मौजूद

भारत के इतिहास में राम मंदिर के बाद एक और भव्य मंदिर का निर्माण होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के संभल जिले में श्री कल्कि धाम मंदिर की आधारशिला रखी। सोमवार को पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ, कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्ण, आनंदम धाम पीठाधीश्वर सदगुरु रितेश्वर महाराज और अन्य महामंडलेश्वरों की मौजूदगी में कल्कि धाम की आधार शिला रखी गई। कल्कि धाम मंदिर में भगवान विष्णु के 10 अवतारों के लिए अलग-अलग 10 गर्भगृह होंगे। मंदिर में 68 तीर्थों की स्थापना होगी। 5 एकड़ में बनने जा रहा ये मंदिर 5 साल में तैयार होगा। कल्कि धाम में भी अयोध्या मंदिर की तरह गुलाबी पत्थरों का इस्तेमाल होगा। मंदिर में भी स्टील और लोहे का उपयोग नहीं किया जाएगा। मंदिर 11 फीट ऊंचे चबूतरे पर होगा, शिखर की ऊंचाई 108 फीट होगी। इसे लेकर हर किसी के मन में भक्ति भाव और आस्था की लहर उठ रही है। भक्त अंदाजा लगा रहे हैं, मंदिर की भव्यता और सौन्दर्य भी अयोध्या के राम मंदिर की तरह ही होगा।

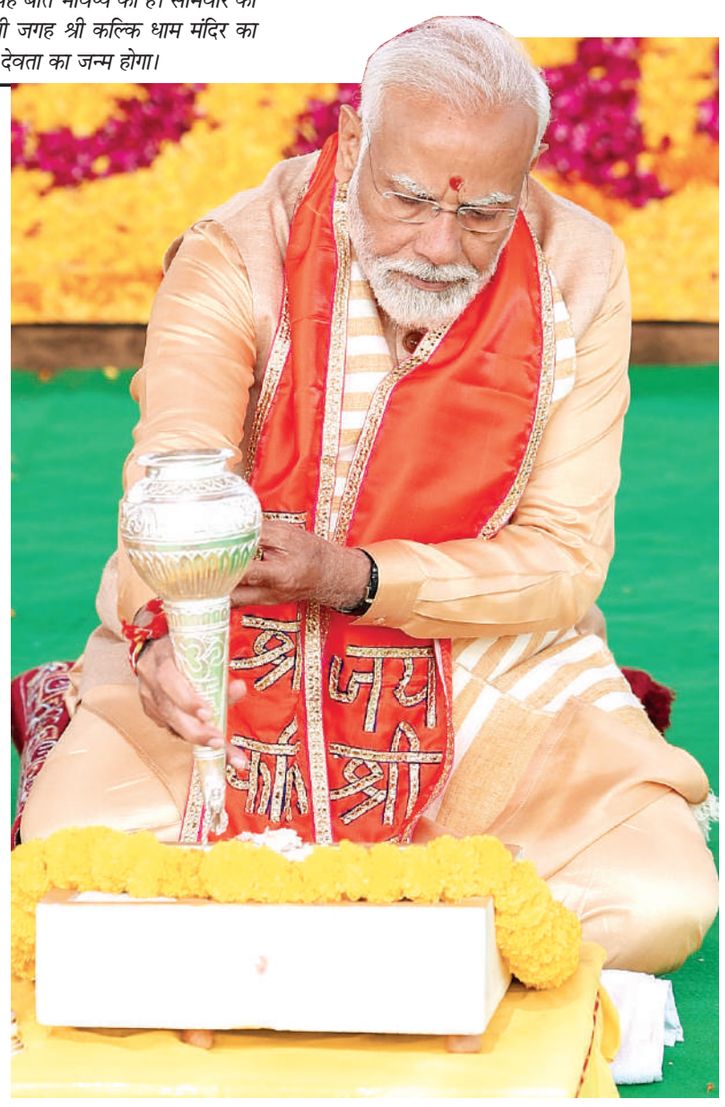

कल्कि धाम शिलान्यास में दिखा संत और भक्त मिलन

जपनाम माला पाकर भावुक हुए पीएम नरेंद्र मोदी

संभल स्थित कल्कि धाम शिलान्यास कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भारत के महान संत महात्मा भी सम्मिलित रहे। वृंदावन की पावन धरा से पधारे आनंदम धाम पीठाधीश्वर सदगुरु रितेश्वर महाराज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम के दौरान जब स्टेज पर संवाद हुआ तो पीएम नरेंद्र मोदी भावुक होते नजर आए। सदगुरु रितेश्वर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात 32 साल बाद कल्कि धाम शिलान्यास कार्यक्रम में हुई। जहां दोनों ने 32 साल पुराने उन क्षणों को याद किया और सदगुरु रितेश्वर महाराज ने अपने गुरु द्वारा दी गई जपनाम माला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट की तो नरेंद्र मोदी भावुक हो गए। इस संवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संतों के प्रति भावना देखी गई। इस भावुक क्षण में संत और भक्त के मिलन की आस्था देखने को मिली।

कौन है सदगुरु रितेश्वरजी

सदगुरु रितेश्वर महाराज वृंदावन में आनंदम धाम के पीठाधीश्वर है। रितेश्वर महाराज आज के परिपेक्ष में सनातन धर्म, संस्कृति और आधुनिकता से युवाओं को जोड़ते हैं। पूरे विश्व में सनातन धर्म की क्रांति सदगुरु रितेश्वर महाराज द्वारा संचालित की जा रही है। रितेश्वर महाराज जल्द ही सनातन विश्वविद्यालय का शिलान्यास भी करेंगे।

संभल की धरती पर अवतरित होंगे भगवान कल्कि: प्रमोद कृष्णम

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कार्यक्रम के दौरान स्वागत भाषण में कहा- मैं श्री कल्कि धाम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करता हूं... 18 साल पहले देखे गए "सनातन धर्म" के सपने को पूरा करने के लिए देश के कोने-कोने से हजारों संत यहां एकत्र हुए हैं। हमारे धर्मग्रंथों में लिखा है, जब जब अधर्म और पाप अपने चरम पर पहुंचा, तब तब अधर्मियों का नाश करने और धर्म की पुर्नस्थापना करने के लिए भगवान ने अवतार लिया। उन्होंने कहा कि त्रेता में भगवान राम ने अयोध्या में, द्वापर में भगवान कृष्ण ने मथुरा में जन्म लिया। कलियुग में भगवान कल्कि संभल की धरती पर अवतरित होंगे। उन्होंने इस कार्यक्रम में आने और कल्कि धाम का शिलान्यास करने के लिए पीएम मोदी का आभार जताया। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा मंदिर निर्माण के लिए श्री कल्कि धाम निर्माण ट्रस्ट बनाया गया है। बता दें कि आचार्य प्रमोद कृष्णम ने 18 साल पहले यह संकल्प लिया गया था कि जहां भगवान का अवतार होगा, वहां भगवान का कल्कि धाम बनाया जाएगा। उनका दावा है कि यह धाम सत्ययुग से कलयुग तक की यात्रा का अनूठा उदाहरण होगा।

यह भी जानना जरूरी

कलियुग का अभी प्रथम चरण, ब्राह्मण परिवार में जन्म लेंगे भगवान

बेधड़क | जयपुर

पुराणों के अनुसार भगवान कल्कि का जन्म सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को संभल नामक स्थान पर विष्णुयशा नाम के एक ब्राह्मण परिवार में होगा। भगवान कल्कि के पिता भगवान विष्णु के भक्त होंगे। साथ में वह वेदों और पुराणों के ज्ञाता भी होंगे। भगवान कल्कि सफेद घोड़े पर सवार होकर पापियों का नाश करके फिर से धर्म की रक्षा करेंगे। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान कल्कि के अवतार लेते ही सतयुग का आरम्भ और कलियुग का अन्त होगा। कलियुग का प्रारंभ 3102 ईसा पूर्व से हो चुका है, जिसका अभी प्रथम चरण चल रहा है। मान्यता है कि कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्षों का होगा, जिसमें से कलियुग के 5126 साल बीत चुके हैं और 426875 साल अभी बाकी हैं। यानी कि भगवान विष्णु का कल्कि अवतार होने में अभी करीब 426875 साल बाकी हैं।

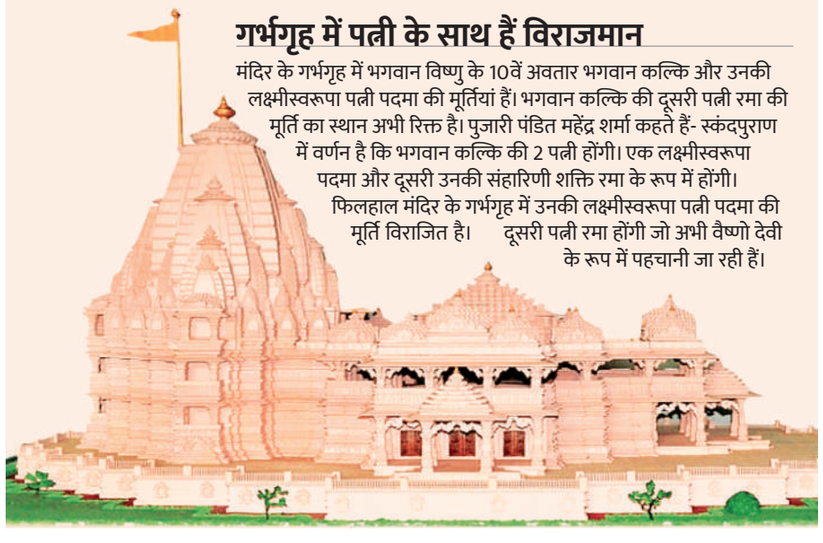

गर्भगृह में पत्नी के साथ हैं विराजमान

मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु के 10वें अवतार भगवान कल्कि और उनकी लक्ष्मीस्वरूपा पत्नी पदमा की मूर्तियां हैं। भगवान कल्कि की दूसरी पत्नी रमा की मूर्ति का स्थान अभी रिक्त है। पुजारी पंडित महेंद्र शर्मा कहते हैं- स्कंदपुराण में वर्णन है कि भगवान कल्कि की 2 पत्नी होंगी। एक लक्ष्मीस्वरूपा पदमा और दूसरी उनकी संहारिणी शक्ति रमा के रूप में होंगी। फिलहाल मंदिर के गर्भगृह में उनकी लक्ष्मीस्वरूपा पत्नी पदमा की मूर्ति विराजित है। दूसरी पत्नी रमा होंगी जो अभी वैष्णो देवी के रूप में पहचानी जा रही हैं।

मंदिर के पास स्थित कल्कि पीठ में एक सफेद रंग के घोड़े की भी मूर्ति लगी है। हिंदू धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि कल्कि अवतार को भगवान शिव देवदत्त नाम का एक सफेद घोड़ा देंगे। इस सफेद घोड़े की मूर्ति के तीन पैर जमीन पर हैं और चौथा हवा में उठा है। लोगों का कहना है कि यह पैर धीरे-धीरे नीचे झुक रहा है। जिस दिन यह पूरा झुक जाएगा समझा जाएगा कि कल्कि का अवतार हो चुका है।

मंदिर की विशेषता

- कल्कि धाम दुनिया का सबसे अनोखा मंदिर होगा। कल्कि धाम पहला धाम है, जहां भगवान के अवतार से पहले उनका मंदिर स्थापित किया जा रहा है।
- इस मंदिर में एक नहीं बल्कि 10 गर्भगृह होंगे। इस मंदिर में भगवान विष्णु के दस अवतारों के दस अलग-अलग गर्भगृह स्थापित किए जाएंगे।
- इस मंदिर का निर्माण उसी गुलाबी रंग के पत्थर से किया जा रहा है, जिसका उपयोग सोमनाथ मंदिर और अयोध्या के राम मंदिर के निर्माण में किया गया है।
- इस मंदिर के निर्माण में किसी भी स्टील या लोहे के फ्रेम का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।
- मंदिर का शिखर 108 फीट ऊंचा होगा। मंदिर का चबूतरा 11 फीट ऊंचा बनाया जाएगा। यहां 68 तीर्थ स्थापित किए जाएंगे।
- मंदिर का निर्माण लगभग 5 एकड़ भूमि पर किया जाएगा और इसके निर्माण में लगभग 5 साल का समय लग सकता है। इसमें 68 तीर्थों की स्थापना की जाएगी।

जरूरी खबर

दो लग्जरी कारों से 60 लाख का डोडा-चूरा बरामद

चित्तौड़गढ़। पुलिस ने बेगूं क्षेत्र में नाकाबंदी की थी। इसको देखकर दो लग्जरी कार में सवार तस्कर कार को लेकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो तस्कर कार छोड़कर खेतों में भागते हुए फरार हो गए। तलाशी में दोनों कारों से 600 किलो से अधिक डोडा-चूरा बरामद हुआ। इसकी कीमत करीब 60 लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। दोंनो कारों में 16 फर्जी नंबर प्लेट भी मिली है। चेसिस नंबर के आधार पर कार मालिकों का पता लगाया जा रहा है।

दो दिन पूर्व घर से लापता दो बालिका को किया दस्तयाब

झालावाड़। जिले के दांगीपुरा थाना क्षेत्र के गांव सराली से 2 दिन पूर्व रात्रि को घर से नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने सोमवार को दोनों नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब कर बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया। दांगीपुरा थानाधिकारी मागीलाल सुमन ने बताया कि 17 फरवरी को पहली 16 साल की बालिका के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसी दिन दूसरी नाबालिग के परिजन ने गांव के ही रणजी भील पर बालिका को भगा ले जाने का आरोप लगाया था। इसके बाद सोमवार को पुलिस ने दोनों बालिकाओं को दस्तयाब कर लिया। अब पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

मोबाइल चलाने पर टोका तो नाबालिग बेटी फंदे से झूली

अजमेर। जिले में एक पिता ने हर समय मोबाइल चलाने के लिए नाबालिग बेटी को टोका तो उसे इतना नागवार गुजरा कि उसने फंदे पर झूलकर मौत को गले लगा लिया। बालिका 9वीं कक्षा की छात्रा थी। आनन-फानन में परिजन बेटी को जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुकी थी। एएसआई रणजीत सिंह ने बताया कि घुघरा गांव की रहने वाली छात्रा ने आत्महत्या की तो उसकी बहन भी घर में मौजूद थी, लेकिन वह नहीं जानती थी कि उसके मन में क्या चल रहा है। उसके पिता और चाचा काम के सिलसिले में घर से बाहर थे। पिता को मालूम नहीं था कि मोबाइल की लत की शिकार बेटी को डांटना उन्हें इतना महंगा पड़ जाएगा।

स्वायत्त शासन विभाग से आदेश मिलने के बाद ग्रहण किया कार्यभार, विकास कार्यों को मिलेगी गति

नौ माह बाद निठारवाल फिर बने नगर पालिका के चेयरमैन

बेधड़क | रींगस

■ 27 जुलाई 2022 को जिला न्यायालय ने किया था हरिशंकर निठारवाल को अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित

कस्बे में पिछले लंबे समय से चल रही राजनीतिक उठापटक ने सोमवार को एक बार फिर करवट बदली। करीब 18 माह से विकास की बाट जोह रहे लोगों के लिए डीएलबी का आदेश खुशी लेकर आया है।

डीएलबी ने पिछले साल 15 मई को हरिशंकर निठारवाल को अध्यक्ष पद का चार्ज ग्रहण करने के आदेश जारी किए थे लेकिन राजनीतिक दबाव में चार्ज ग्रहण करने के अगले ही दिन 24 मई को अपने ही आदेश को निरस्त कर दिया था। सरकार बदलने के बाद विधायक सुभाष मील ने स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा से रींगस कस्बे के विकास कार्यों के लिए अध्यक्ष पद का चार्ज दिलवाने की मांग रखी थी। सोमवार दोपहर नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव व लेखाकार शिवपाल सिंह ने हरिशंकर निठारवाल को अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण करवाया। कस्बे के लोगों को जैसे ही निठारवाल के पदभार ग्रहण करने की सूचना मिली लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। सैकड़ों लोग नगर पालिका परिसर पहुंचे और निठारवाल को मिठाई खिलाकर बधाई व शुभकामनाएं दी।

इस दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष अमित शर्मा, भागीरथ सिंह कुड़ी, राधाकृष्ण रणवां, गोगराज भामू, पार्षद संजय डाकवाला, राजू धायल, विष्णु गंगावत, श्रीराम वर्मा, मोतीराम बावलिया, राधेश्याम मावर, महेन्द्र बावलिया, जगदीश प्रसाद, अशोक कानूनगो, आयुष कानूनगो, महेंद्र बधाला, कालूराम मोगा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार ने न्यायालय में दी थी चुनौती

निवर्तमान अध्यक्ष अशोक कुमार कुमावत के तीन संतान होने के चलते प्रतिद्वंदी उम्मीदवार हरिशंकर निठारवाल ने उनके निर्वाचन को न्यायालय में चुनौती दी थी। जिला न्यायालय ने मामले में सुनवाई करते हुए 27 जुलाई 2022 को अशोक कुमार कुमावत के निर्वाचन को शून्य घोषित करते हुए प्रतिद्वंदी हरिशंकर निठारवाल को अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किया था। न्यायालय के आदेश के बाद निठारवाल ने 28 जुलाई 2022 को कार्यभार ग्रहण कर लिया था, लेकिन डीएलबी ने आदेश जारी नहीं किया था। स्वायत शासन विभाग ने 15 मई को अध्यक्ष पद पर कार्य करते रहने का आदेश जारी किया और ही दिन इस पर रोक लगा दी थी।

18 माह से अटके विकास कार्य

अध्यक्ष पद पर निठारवाल के कार्यभार ग्रहण करने के बाद भी राजनीतिक दबाव के चलते डीएलबी से आदेश जारी नहीं हो पाए थे। सत्ता बदलने के बाद लोगों को फिर से आस जगी थी। विधायक सुभाष मील के लगातार प्रयासों व स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के सहयोग से निठारवाल को चार्ज मिला है। आदेश आने के बाद अब कस्बे में विकास कार्यों की राह खुली है।

"तानाशाह सरकार के कारण जनता के कामों में 18 माह का विलंब हो गया। विधायक सुभाष मील व भाजपा सरकार ने जनता के दर्द को समझा है। जनता के काम प्राथमिकता से होंगे।

हरिशंकर निठारवाल,
अध्यक्ष, नगर पालिका, रींगस

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र का तीन दिवसीय उत्सव 23 से

उदयपुर के शिल्पग्राम में 'ऋतु बसंत उत्सव' की छाएगी बहार

बेधड़क | उदयपुर

जिले में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से शिल्पग्राम में नई सांस्कृतिक पेशकश के रूप में 'ऋतु बसंत उत्सव' का आगाज 23 फरवरी से होगा। इस तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत व गायन के क्षेत्र के नामचीन आर्टिस्ट अपनी आला प्रस्तुतियां देंगे।

केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि पहले दिन शास्त्रीय गायिका रोंकिनी गुप्ता विलंबित ख्याल और द्रुत ख्याल से श्रोताओं के हृदय को छूएंगी। वहीं, प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना और कमलादेवी संगीत महाविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. आरती सिंह अपने ग्रुप के साथ कथक की श्रेष्ठ भाव-भंगिमा कथक की बारीकियों को उकेरेंगी।

दूसरे दिन 24 फरवरी को पंडित राजकुमार मजूमदार, उस्ताद असगर हुसैन व उस्ताद अख्तर हसन वायलिन-संतूर की उम्दा जुगलबंदी से श्रोताओं के हृदय को झंकृत करेंगे। वहीं सौरभ वशिष्ठ शास्त्रीय गायन से शाम में क्लासिकल रंग भरेंगे। उत्सव के अंतिम दिन 25 फरवरी को पंडित मोरमुकुट केडिया व पंडित मनोज केडिया की सरोद-सितार की बेहतरीन जुगलबंदी पेश करेंगे। आयोजन में देश के जाने-माने कोरियोग्राफर और शास्त्रीय नृत्य की कई कालजयी प्रस्तुतियां दे चुके संतोष नायर अपने ग्रुप के साथ शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति से उत्सव को पूर्णता देंगे।

कार्यक्रम की खूबी उम्दा क्यूरेशन

इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खूबी इसका क्यूरेशन है। मसलन, पहले दिन क्लासिकल गायन के साथ कथक, दूसरे दिन गायन के बाद तीन बड़े संगीतज्ञों के वाद्ययंत्रों की जुगलबंदी और तीसरे दिन दो प्रसिद्ध संगीतज्ञों का सरोद-सितार का इंस्ट्रूमेंटल डुएट और फिर वर्ल्ड क्लास नृत्य स्तुति अपने आप में बेमिसाल क्यूरेशन की प्रतीक है।

निशुल्क रहेगा प्रवेश

यह कार्यक्रम 23 फरवरी से प्रतिदिन शिल्पग्राम के मुक्ताकाशी रंगमंच पर शाम 6:30 बजे से होगा। आमजन के लिए इसमें प्रवेश निशुल्क रहेगा।

अजमेर सेंट्रल जेल में हुई वारदात

2 कैदियों ने हेड कांस्टेबल पर ब्लेड और सरिए से किया जानलेवा हमला

बेधड़क | अजमेर

जिले की सेंट्रल जेल में बंद दो कैदियों ने सोमवार दोपहर हेड कांस्टेबल पर जानलेवा हमला कर दिया। बैरक में बंद दो कैदियों ने बीमार होने का बहाना बनाकर हेड कांस्टेबल को झांसे में लिया। बैरक खोलते ही दोनों ने ब्लेड और सरिए से वार करने शुरू कर दिए। हमले में हेड कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जेएलएन अस्पताल लाया गया।

हमले के बाद पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों के द्वारा अस्पताल पहुंचकर घायल जवान और जेल अधीक्षक से घटना की जानकारी ली गई। जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने बताया कि सेंट्रल जेल की बैरिक नंबर नौ में बंद कैदी श्रवण और फरदीन ने ब्लेड और नुकीले सरिए से हेड कांस्टेबल पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे जोधपुर निवासी हेड कांस्टेबल राजेश कुमार (40) गंभीर रूप से घायल हो गया।

राजेश दोनों कैदियों से अपने आप को बचाते हुए बैरिक से बाहर आया और चिल्लाने लगा। इस पर दौड़ लगाते हुए जेल स्टॉफ और अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायल को तुरंत जेएलएन अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में हेड कांस्टेबल का इलाज चल रहा है। जेल में हमले की सूचना के बाद एडिशनल एसपी सिटी महमूद खान, हाई सिक्योरिटी जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ और जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल भी अस्पताल पहुंचीं और घायल हेड कांस्टेबल से घटना की जानकारी ली।

सांसद सुखवीर सिंह जौनापुरिया ने बैठक में कहा...

जनसमस्या पर गंभीर हों अधिकारी

बेधड़क | टोंक

सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में दिशा की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में नगर परिषद सहित कई महकमों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए सांसद ने कहा कि 'आपको कोई फर्क नही पड़ता है।'

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार भलें ही बदली हो, लेकिन अधिकारियों का रैवया वही है। बैठक में बिजली, पानी, सड़क, चिकित्सा, सीवरेज और नगर परिषद सहित कई महकमों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान सांसद जौनापुरिया की लाचारी भी उनके शब्दों में झलक रही थी। सांसद ने अधिकारियों से कहा कि आपको कोई फर्क नहीं पड़ता है, आपको तो बस इंतजार है आचार संहिता लगने का। ऐसा ही दर्द निवाई विधायक राम सहाय का भी देखने को मिला। हर तीन माह में होने वाली दिशा की बैठक सोमवार को टोंक के कलेक्ट्रेट में हुई। लोकसभा चुनावों से पहले आयोजित दिशा की आखिरी बैठक में नेताओं पर लालफीताशाही हावी दिखाई दी, जिसको लेकर सांसद ने नाराजगी जताई।

इस दौरान उन्होंने वहीं टोंक में संचालित अवैध बूचड़खानों और शहर में संचालित अवैध मांस की दुकानों पर कार्रवाई नहीं होने पर नगर परिषद आयुक्त को फटकार लगाई।

ट्रक ने अचानक लगाए ब्रेक तो पीछे से भिड़ी कार

सड़क हादसे में तीन चचेरे भाइयों की मौत

बेधड़क | श्रीगंगानगर

राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि पूरी कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

वहीं, कार सवार तीनों भाइयों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसा रविवार देर रात को श्रीगंगानर में नई मंडी घड़साना में चक 7 एमडी के पास हुआ। सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। घड़साना पुलिस थाना के एसआई राम सिंह मीणा ने बताया कि यह सड़क हादसा नई मंडी घड़साना के पास नेशनल हाइवे भारत माला सड़क पर चक 7 एमडी के पास हुआ। उन्होंने बताया कि रविवार रात तीन युवक कार में सवार होकर रावलामंडी के चक 13 डीओएल में रिश्तेदार के घर शादी समारोह में जा रहे थे। इस दौरान आगे जा रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिया और कार ट्रक में जा टकराई। हादसे में रवीन्द्र कुमार (35) पुत्र रामस्वरूप निवासी लिखमीसर पीलीबंगा, सुभाष कुमार (40) पुत्र कृष्ण कुमार निवासी रावतसर और अजय कुमार (26) पुत्र इंद्रजीत निवासी तीन एमएसडी रायसिंहनगर की मौत हो गई। तीनों मृतक आपस में चचेरे भाई थे।

भगवान शिव की 1008 प्रतिमाएं की स्थापित

28 साल में बनकर तैयार हुए ओम आकार के शिव मंदिर में हुई प्राण-प्रतिष्ठा

बेधड़क | पाली

■ 500 बीघा में बना अनूठा मंदिर, तीन खंडों में बनाए अनेक देवालय

अयोध्या में राम मंदिर के बाद देश के एक और भव्य मंदिर का निर्माण पाली में हुआ है। सोमवार को मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई, जिसमें करीब 25 हजार लोग शामिल हुए। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और ओम के आकार में बना यह दुनिया का पहला मंदिर है। इस शिव मंदिर का निर्माण पाली के जाडन स्थित ओम आश्रम में किया गया है।

इस मंदिर को 500 बीघा में बनाया गया है। इसमें भगवान शिव की 1008 प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। मंदिर को बनने में 28 साल लग गए। इस समारोह में देशभर से साधु-संत, अनुयायी व श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। बताया जा रहा है कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में 25 हजार लोगों को आमंत्रित किया गया, जिनके लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। वहीं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए विदेशों से 2200 मेहमान शामिल हुए। उनके रहने के लिए आश्रम परिसर में अस्थायी कॉटेज बनाकर सभी व्यवस्थाएं की गई। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत सुबह 9 बजे से ओम आश्रम में देव पूजन, ध्वज दंड, शिखर और मूर्ति स्थापना, हवन, पूर्णाहुति, महाआरती व प्रसादी कार्यक्रम हुए। दोपहर 12.30 से 1.30 बजे तक अभिजित मुहूर्त में बांसवाड़ा जिले के राजपुरोहित त्रिपुरा सुंदरी मंदिर के उपासक निकुंजमोहन पंड्या और सह आचार्य पंडित कपिल त्रिवेदी ने मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा करवाई।

चार खंडों में विभाजित है यह मंदिर

दुनिया में ओम् आकार का यह एक मात्र शिव मंदिर है, जिसे बनाने में 28 साल का समय लगा है। 250 एकड़ के आश्रम में मंदिर बीचों बीच बना है। मंदिर के बीच में विश्वदीप गुरुकुल के संस्थापक स्वामी माधवानंद की समाधि है। ओम आकृति वाला यह शिव मंदिर चार खंडों में विभाजित है। एक पूरा खंड भूगर्भ में बना हुआ है जबकि तीन खंड जमीन के ऊपर हैं। भूगर्भ में समाधि के चारों तरफ सप्त ऋषियों की मूर्तियां हैं। सबसे ऊपर के भाग में ज्योतिर्लिंग है। चार मंजिला इमारत में स्कूल-कॉलेज होंगे।

10 से शुरू थे प्रतिष्ठा महोत्स के कार्यक्रम

इस अनूठे शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 10 फरवरी से शुरू हो गया था। इस दौरान शिव महापुराण कथा 10 से 18 फरवरी हुई। संत चिदम्बरानंद सरस्वती ने कथा वाचन किया। कथा के दौरान भक्तों के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई। कथा के दौरान रोजाना 5 हजार भक्तों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में पहले दिन 10 फरवरी को हेमादी श्रवण प्रायश्चित हवन, दशविध स्नान, मण्डप रचना शुद्धिकरण से शुरू हुए। 11 फरवरी को गणेश पूजन, स्वस्ति पुण्याहवाचन, मंडप प्रवेश, वर्णार्चन-मंडपादी, आवाहित स्थापित देवता पूजन हुआ। 12 फरवरी को शिव महापूजन, सहस्त्रार्चन, पंच वक्र पूजन स्थापित देवता पूजन, मंडप देवता पूजन किया गया। इसके बाद 13 फरवरी को अग्नि स्थापन गणेश महापूजन, सहस्त्र मोदकार्पण, ग्रह होम श्री ललिता सहस्त्रार्चन, श्री ललिता सहस्त्र होम किया गया। 14 फरवरी वसंत पंचमी को महारुद्र प्रारम्भ किया गया, मां सरस्वती की पूजन शोभा यात्रा निकाली गई और गंगा कलश यात्रा की गई। 15 फरवरी को कुटीर होम, प्रासाद वास्तु, शिखर एवं मूर्ति संस्कार महारुद्र हवन और पार्थिश्वर शिव महापूजा की गई।

जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी में जेएसएफ-2024 आयोजित

छात्रों ने रोचक गतिविधियों से जाना सस्टेनेबिलिटी का महत्व

बेधड़क | जयपुर

जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी ने जयपुर सस्टेनेबिलिटी फेस्ट- JSF का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि भाव्यता सोनी रही। जेएसएफ की शुरुआत से पहले वर्ल्ड्स लार्जेस्ट लेसन के रूप में कई स्कूलों में शिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया, जहां छात्रों को सस्टेनेबिलिटी के बारे में शिक्षित किया गया। नाहरगढ़ में छात्रों के लिए ट्रेकिंग सत्र भी आयोजित किया गया। पहले दिन सोनिया सोनी, रातिका खंडेलवाल और डॉ. श्रद्धा त्रिपाठी के निर्देशन में जागरूक सत्रों का आयोजन हुआ। इन सत्रों में समझदार उपभोक्ता बनना, मानसिक स्वास्थ्य व परामर्श का महत्व और सेक्स एजुकेशन जैसे विषयों पर चर्चा की गई। दूसरे दिन एमबीए, जयपुर बिजनेस स्कूल के द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने स्वच्छता अभियान के लिए झालाना लेपर्ड सफारी का आनंद लिया। छात्रों ने संरक्षित वन्यजीव इलाका साफ किया। डीन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी प्रो.रेणु पारीक ने इस सस्टेनेबिलिटी फेस्ट के महत्व को समझाते हुए कहा की जेईसीआरसी हमेशा अपनी पहल के माध्यम से समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करता है।

स्टूडेंट्स ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

दोनों दिनों के आयोजनों में कपड़े, बैग, हस्तशिल्प और स्किनकेयर जैसे विभिन्न बूथ और स्टॉल भी लगाए गए जिन्होंने स्टूडेंट्स को आकर्षित किया। जयपुर स्कूल ऑफ बिजनेस के ह्यूमन रिसोर्स कॉन्क्लेव के साथ सस्टेनेबिलिटी वीक का समापन हुआ। कॉन्क्लेव में विभिन्न एचआर स्ट्रेटेजिस्ट और अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस दौरान इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा टॉक शो का भी आयोजन किया

Yuva स्टोरीज

सेवा के संदेश के साथ हुआ विशेष शिविर का समापन

जयपुर। मोती कटला स्थित नेताजी सुभाष चंद्र स्कूल में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना प्लस टू स्तर का सात दिवसीय शिविर का समापन हो गया। 13 फरवरी से 19 फरवरी तक आयोजित विशेष शिविर में एनएसएस स्वयंसेवकों ने शारीरिक स्वच्छता सेवा एवं प्राकृतिक धरोहर के महत्व को समझा। इसमें मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय जयपुर राजेंद्र कुमार शर्मा हंस, हार्टफुलनेस संस्था से संदीप नायर, शिमला भारद्वाज, विद्यालय प्रधानाचार्य मोनी रंगवानी, प्रधान उपप्राचार्य मदनलाल लाटा, एनएसएस प्रभारी रिचा स्वामी, विद्या विधानी, विनोद कुमार शर्मा, प्रमिला यादव, वरिष्ठ अध्यापक लोकेश कौशिक ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस दौरान छात्रों को पारितोषिक विवरण किया गया।

राजस्थान रत्न अवॉर्ड से अनिल सम्मानित

जयपुर। राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ने एनएवी इंडिया के एमडी अनिल अग्रवाल को राजस्थान रत्न भारत अवार्ड से सम्मानित किया है। अग्रवाल को यह सम्मान सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए उल्लेखनीय कार्य एवं राजस्थान का मान बढ़ाने के लिए दिया गया है। कार्यक्रम के विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, डीओआईटी कमिश्नर इंद्रजीत सिंह समेत अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में यह पुरस्कार दिया गया। अग्रवाल ने बताया कि आईटी फील्ड में उनकी संस्था की ओर से नित नए नवाचार किए जाते हैं एवं ग्लोबल लेवल पर संस्था की पहचान है।

कानोड़िया कॉलेज में सम्मेलन

विदेश नीति के विभिन्न आयामों पर हुई चर्चा

बेधड़क | जयपुर

कानोडिया पीजी महिला महाविद्यालय में इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'चेंजिंग डायनामिक्स ऑफ इंडियाज फॉरेन पॉलिसीः चैलेंजेज एंड वे अहेड' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सोमवार को शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा थीं।

मुख्य वक्ता इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, कलकत्ता के निदेशक डॉ. के रंगराजन रहे। इस सत्र में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि विदेश नीति का निर्माण राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने विदेश नीति की चुनौतियों का भी उल्लेख किया। आयोजन सचिव पालु जोशी ने तीन दिवसीय सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि प्रो. अल्पना कटेजा ने भारतीय विदेश नीति के अतंर्गत ग्लोबल गांव के रूप में भारत की विश्व में सक्रिय भूमिका का उल्लेख किया। मुख्य वक्ता डॉ. के रंगराजन ने विदेश नीति के प्रमुख घटकों के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए। इसी क्रम में प्रो. कल्पना अग्रहरि, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल ने विदेश नीति को मजबूती प्रदान करने वाले प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डाला। इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स, दिल्ली से प्रतिनिधि डॉ. निवेदिता रे ने कहा कि हम विदेश नीति के साथ नई विश्व व्यवस्था, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था एवं वैश्विक जुड़ाव की ओर अग्रसर हैं। महाविद्यालय निदेशक डॉ. रश्मि चतुर्वेदी ने विदेश नीति के व्यापक स्वरूप पर बात की। सम्मेलन की सह-सचिव डॉ. निमिषा गौड़ ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

भवानी निकेतन सैनिक स्कूल का उद्घाटन 4 मार्च को

अब राजधानी की स्कूल से भी निकलेंगे जवान

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश का तीसरा और राजधानी जयपुर का पहला सैनिक स्कूल जल्द ही धरातल पर आने वाला है। पीपीपी मॉडल पर संचालित होने वाला जयपुर का भवानी निकेतन सैनिक स्कूल अगले माह से शुरू होने जा रहा है। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 4 मार्च को इस सैनिक स्कूल का उद्घाटन करेंगे। स्कूल प्रबंधन इस कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगा है।

जयपुर और आसपास के जिलों के स्टूडेंट्स को यहां सैनिक स्कूल खुलने से फायदा मिलेगा। अब उन्हें पढ़ाई के लिए झुंझुनूं या चित्तौड़गढ़ सैनिक स्कूल नहीं जाना पड़ेगा। इस स्कूल से पढ़कर स्टूडेंट फौजी बनकर निकल सकेगा। स्कूल में एडमिशन के लिए एक अप्रैल से सेशन शुरू हो जाएगा। शुरुआत में कक्षा छह में 100 बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा। इनमें 60 प्रतिशत कोटा इस स्कूल का रहेगा। जबकि 40 प्रतिशत कोटा ऑल इंडिया लेवल की सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा से होगा।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय की सैनिक स्कूल सोसायटी ने पीपीपी मॉडल पर निजी स्कूलों को भी सैनिक स्कूल की तर्ज पर बनाने को लेकर देशभर में 100 स्कूलों को चुनाने के लिए यह योजना शुरू की थी।

योजना में प्रदेश के चार निजी स्कूलों को गहन निरीक्षण के बाद चुना गया था। इसमें जयपुर से सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल चुना गया था। इसके अलावा सीकर का भारतीय पब्लिक स्कूल, हनुमानगढ़ का गुड डे डिफेंस स्कूल और जोधपुर का श्री हनवंत सीनियर सैकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल शामिल है।

हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य ही अच्छे सैनिक तैयार कर देश सेवा के लिए समर्पित करना था। आज यह सपना सैनिक स्कूल शुरू होने से फलीभूत हो रहा है। आगामी 4 मार्च को देश के रक्षामंत्री इस सैनिक स्कूल का उद्घाटन करेंगे।

नरेंद्र सिंह बगड़, उपाध्यक्ष
भवानी निकेतन शिक्षा समिति, जयपुर

सैनिक स्कूल में यह रहेगी एडमिशन प्रक्रिया

स्कूल की प्रिंसिपल मनीषा सिंह ने बताया कि सैनिक स्कूल में एडमिशन के लिए एनटीए का ऑल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जाम देना होगा। साल 2024 के सेशन के लिए ऑल इंडिया लेवल का एंट्रेंस एग्जाम हो चुका है। वहीं स्कूल कोटे का एंट्रेंस एग्जाम मई-जुलाई के बीच होगा। स्कूल में पढ़ाई सैनिक स्कूल सोसायटी के करिकुलम और रूल्स के अनुसार होगी। उन्होंने बताया कि 2 साल से जयपुर में सैनिक स्कूल खोलने के प्रयास किए जा रहे थे। फिलहाल दो साल के लिए सैनिक स्कूल संचालन की अप्रूवल दी गई है।

बालिकाओं का भी होगा प्रवेश

सैनिक स्कूलों में आवासीय सुविधा के साथ पढ़ाई का मौका मिलता है। सैनिक स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को सेना की नौकरियों में प्राथमिकता दी जाती है। साथ ही स्टूडेंट्स का ओवरऑल विकास भी होता है। सैनिक स्कूल प्रिंसिपल मनीषा सिंह ने बताया कि 100 सीटों के एडमिशन में 90 सीटों पर बालक और 10 सीटों पर बालिकाओं का एडमिशन होगा।

RU में पेंशनर्स हुए सम्मानित

'विश्वविद्यालय की अमूल्य धरोहर हैं पेंशनर्स'

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के पेंशनर्स से जुड़ी राजस्थान विश्वविद्यालय पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय में अपनी सराहनीय सेवाएं देकर सेवानिवृत होने वाले पेंशनर विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण धरोहर हैं, इन्ही की समर्पित सेवाओं से विश्वविद्यालय की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान स्थापित हो सकी है।

कुलपति ने इस अवसर पर 19 वरिष्ठतम सेवानिवृत शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजस्थान विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत हुए वरिष्ठ शिक्षक, जिनमें अनेक ऐसे शिक्षक जो विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं, के साथ ही विश्वविद्यालय से जुड़े अन्य पेंशनर्स शामिल हुए। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. एचएस शर्मा ने पेंशनर एसोसिएशन के द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत कर्मियों के लिए पेंशन की निरंतरता एवं मेडिकल व अन्य सुविधाओं के लिए किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। एसोसिएशन के सचिव प्रो. एनके लोहिया ने सेवानिवृत विश्वविद्यालय कर्मियों के बीच एक प्रभावी बेहतर समन्वय की दिशा में किए गए प्रयासों की जानकारी दी।

उन्होने यह भी कहा कि एसोसिएशन विश्वविद्यालय कर्मियों की पेंशन एवं अन्य सुविधाओं की निरंतरता के लिए सकियता के साथ अपनी भूमिका का निर्वाह कर रही है।

विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने विश्वविद्यालय की बेशकीमती भूमि को अवैध अतिकमणों से बचाकर, दशकों बाद इसका स्वामित्व विश्वविद्यालय को दिए जाने के लिए किए गए गंभीर प्रयासों की सराहना की।

प्रो. परमजीत एस जसवाल को मिला नेशनल अवॉर्ड

बेधड़क | जयपुर

जयपुर। विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सोनीपत यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. परमजीत एस जसवाल को पहला प्रो. एसआर भंसाली नेशनल अवॉर्ड दिया गया। मद्रास हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायधीश और वर्तमान में पीएमएलए और सैफमा ट्रिब्यूनल के चेयरमेन जस्टिस एमएन भंडारी ने प्रो. परमजीत सिंह को सम्मान के रूप में एक लाख रुपए का चैक, शॉल और सम्मान पत्र भेंट किया। प्रो. एस आर भंसाली ट्रस्ट की ओर RU में आयोजित समारोह में देश के 7 विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर व विधि विशेषज्ञ मौजूद रहे। संयोजक डॉ. अनिल भंसाली ने बताया कि अवॉर्ड के लिए कुल 58 नॉमिनेशन प्राप्त हुए थे। प्रो. भंसाली JNVU की लॉ फैकल्टी के डीन रहे थे व एमिरेट्स प्रोफेसर की उपाधि प्राप्त विधिवेत्ता थे।

मंथन | एसकेआईटी में व्याख्यान श्रृंखला में जुटे विशेषज्ञ

इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन के पहलुओं पर की चर्चा

बेधड़क | जयपुर

स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग की ओर से आईइटीई-वुमन एंपावरमेंट इन इंजीनियरिंग कमेटी और आईइटीई- जयपुर सेंटर के सहयोग से 'टेक्नोलॉजिकल एडवांसेस इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग' विषयक व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था के निदेशक शिक्षाविद प्रो. एसएल सुराणा ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन क्षेत्र में होने वाली तकनीकी प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि तकनीकी जीवन में सरलता प्रदान कर रही है, लेकिन इसका सावधानी से उपयोग करना भी महत्वपूर्ण है। प्रो. मुकेश अरोड़ा ने इस व्याख्यान श्रृंखला के विषय पर विस्तृत जानकारी दी और प्रतिभागियों को बताया कि इसमें भारतीय दूरसंचार विभाग के पदाधिकारी, सीरी पिलानी के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों तथा राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के विषय विशेषज्ञों से ज्ञानवर्धन का मौका मिलेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपनिदेशक आईआईटी जोधपुर (पूर्व निदेशक डीआरडीओ डिफेंस लैबोरेट्री जोधपुर) प्रो. संपत राज वडेरा रहे। उन्होंने छात्रों को तकनीकी ज्ञान में महारत हासिल करने के साथ-साथ सामाजिक संबंध तथा नेटवर्किंग को बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की नई शिक्षा नीति के सभी अवयवों को प्राप्त करने के लिए सामाजिक नेटवर्किंग का योगदान होगा और इससे छात्रों का आधारभूत विकास संभव होगा। ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों माध्यमों में आयोजित इस व्याख्यान श्रृंखला मे देश के विभिन्न राज्यों की तकनीकी संस्थाओं से कुल 75 शिक्षकों तथा शोधकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। आईईटीई- वुमन एंपावरमेंट इन इंजीनियरिंग कमेटी की अध्यक्ष ज्योति सिंघई तथा आईईटीई जयपुर सेंटर के अध्यक्ष प्रो. घनश्याम सिंह भी ऑनलाइन मोड में उपस्थित रहे । कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉ. मोनिका माथुर, डॉ. रुखसार जफर, डॉ. अंकित अग्रवाल, राहुल पांडे रहे तथा संचालन ग्लोरिया जोसेफ ने किया।

तकनीकी क्षेत्र में संभावनाओं की दी जानकारी

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि एनआईटीटीटीआर भोपाल की प्रो. सीमा वर्मा ने छात्रों की तकनीकी सहभागिता बढ़ने पर जोर दिया। उन्होंने तकनीकी क्षेत्र में निहित संभावनाओं तथा अवसर पर छात्रों से चर्चा की और उन्हें प्राप्त करने के विभिन्न उपायों के बारे में बताया। उद्घाटन समारोह के अंत में प्रो. मोनिका माथुर ने सभी आगंतुकों, विशेषज्ञों तथा कमेटी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस व्याख्यान श्रृंखला में आईईटीई जयपुर सेंटर के वाइस प्रेसिडेंट धर्मपाल भी उपस्थित रहे।

देश के लिए चुनौती बन रहीं स्लम बस्तियां

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

इन दिनों स्लम बस्तियां दुनिया ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी एक समस्या बनी हुई हैं। एक अनुमान के अनुसार, दुनिया की लगभग एक चौथाई शहरी आबादी स्लम बस्तियों में रहती है। वहीं आने वाले 10 वर्षों में भारत की 50 प्रतिशत आबादी नगरों में रहने लगेगी। भारत की वर्तमान आबादी का 28 प्रतिशत हिस्सा शहरों में रहता है। शहरी आबादी में होने वाली इस बेतहाशा वृद्धि का सीधा प्रभाव उनके आवास पर पड़ेगा, जिससे आने वाले वर्षों में मलिन बस्तियों में रहने वाली आबादी में तीव्र वृद्धि होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के 2,613 शहरों में स्लम एरिया हैं, जहां बहुत सी आबादी इन बस्तियों में रहती है। इनमें से 57 फीसदी आबादी तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से आती है।

वहीं दिल्ली दुनिया का छठा सबसे बड़ा महानगर है। इसके बावजूद यहां एक तिहाई आवास स्लम क्षेत्र का हिस्सा हैं, जिनके पास कोई बुनियादी संसाधन भी उपलब्ध नहीं हैं। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट की मानें तो देश में जहां हर छठा शहरी नागरिक स्लम बस्तियों में रहने के लिए मजबूर है। ये बस्तियां इंसानों के रहने के लायक नहीं मानी जाती। यहां रहने वाला हर भारतीय शहरी नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर है। आंकड़े बताते हैं कि जहां आंध्र प्रदेश में हर तीसरा शहरी परिवार इन मलिन बस्तियों में रहता है, वहीं ओडिशा में हर 10 घरों में से नौ में जल निकासी की कोई सुविधा नहीं है। देश के 65 प्रतिशत शहरों में स्लम बस्तियां देखी जा सकती हैं। शहरों की चकाचौंध भरी दुनिया का हिस्सा होने के बावजूद इन बस्तियों में रहने वाले लोग आज भी अंधेरे में हैं। आंकड़ों की मानें तो देश में हर 10 में से छह लोग झुग्गी-झोपड़ी में रहने के लिए मजबूर हैं। इन बस्तियों में लोग गंदी और बदबूदार नालियों के बीच रह रहे हैं। वहीं हर 10 में से चार को आजादी के 72 साल बाद भी साफ पानी जैसी बुनियादी सुविधा नहीं मिल पाई

> *"स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने के लिए हमें ऊपर से नीचे के दृष्टिकोण को अपनाने की जरूरत है। स्लम बस्तियों की समस्याओं के समाधान के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा, नहीं तो हालातों को बदला नहीं जा सकेगा।"*

है। इन गंदी बस्तियों में रहने वाले इस विकसित समाज, राजनीतिक गलियारों और प्रशासन की बेरुखी का शिकार हैं। असल में स्लम क्षेत्र का आशय सार्वजनिक भूमि पर अवैध शहरी बस्तियों से है। आमतौर पर यह एक निश्चित अवधि के दौरान निरंतर एवं अनियमित तरीके से विकसित होता है। स्लम क्षेत्रों को शहरीकरण का एक अभिन्न अंग माना जाता है और शहरी क्षेत्र में समग्र सामाजिक-आर्थिक नीतियों एवं योजनाओं की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाता है।

देश में कई स्लम एरिया हैं, जहां लोग गरीबी में जीवन-यापन कर रहे हैं। ऐसे में इन जगहों पर साक्षरता दर कम ही देखने को मिलती है। हालांकि देश के सबसे बड़े स्लम एरिया धारावी में साक्षरता दर 69 प्रतिशत है। इधर, आंध्र प्रदेश में शहरी आबादी का 36.1 प्रतिशत हिस्सा मलिन बस्तियों में रहता है। वहीं छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा की शहरी आबादी का एक बड़ा हिस्सा इन मलिन बस्तियों में रहने के लिए मजबूर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ओडिशा की मलिन बस्तियों में रहने वाले 64.1 प्रतिशत घरों में अब तक पीने का स्वच्छ पानी नहीं पहुंच पाया है, वहीं दूसरी ओर इन बस्तियों के 90.6 प्रतिशत घरों से जल निकासी का कोई प्रबंध नहीं है, जिससे आए दिन यहां रहने वाले लोगों के बीमार होने का खतरा बना हुआ है। देश में 13.7 मिलियन स्लम घरों में कुल 65.49 मिलियन लोग निवास करते हैं। लगभग 65 प्रतिशत भारतीय शहरों के आसपास झुग्गियां और स्लम क्षेत्र मौजूद हैं, जहां लोग घनी बस्तियों में रहते हैं। नेशनल सर्विस स्कीम राउंड के सर्वेक्षण के अनुसार, वर्ष 2012 तक दिल्ली में लगभग 6,343 स्लम बस्तियां थीं, जिनमें दस लाख से अधिक घर थे, जहां दिल्ली की कुल आबादी का 52 प्रतिशत हिस्सा निवास करता था।

देश की लगभग 81 प्रतिशत आबादी अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य करती है। संपूर्ण कोविड लॉकडाउन के अचानक लागू होने से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों की आजीविका काफी बुरी तरह प्रभावित हुई थी। पूर्व लॉकडाउन के बाद दिल्ली में भारी संख्या में रिवर्स माइग्रेशन देखा गया, जब हजारों प्रवासी कामगार अपने गृहनगर वापस चले गए। इस दौरान लगभग 70 प्रतिशत स्लम निवासी बेरोजगार हो गए, वहीं 10 प्रतिशत की मजदूरी में कटौती हुई और आठ प्रतिशत पर इसके अन्य प्रभाव देखे गए। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, स्लम बस्तियों से होने वाले प्रदूषण के कारण एशिया में मौसम के पैटर्न में बदलाव आ रहा है। इनके चलते एक ओर जहां हवा की रफ्तार में वृद्धि हो रही है, वहीं दूसरी ओर बारिश में कमी आ रही है। क्लाइमेट मॉडल्स पहले ही इस बात के संकेत दे चुके हैं कि स्थानीय स्तर पर हो रहा प्रदूषण चक्रवाती तूफानों के गठन और उनके विकास को प्रभावित कर सकता है। गौरतलब है कि भारत के पूर्वी तट पर कई बड़े शहर बसे हैं, जो कि नियमित रूप से हर वर्ष अक्टूबर से दिसंबर के बीच इन तूफानों से प्रभावित होते हैं।

इस प्रकार शहरी नियोजन और प्रभावी शासन के लिए नए दृष्टिकोण समय की आवश्यकता है। टिकाऊ, मजबूत और समावेशी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई करना जरूरी है। स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने के लिए हमें ऊपर से नीचे के दृष्टिकोण को अपनाने की जरूरत है। स्लम बस्तियों की समस्याओं के समाधान के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा, नहीं तो हालातों को बदला नहीं जा सकेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कई बार सुप्रीम कोर्ट को भी UCC की जरूरत के बारे में टिप्पणी करनी पड़ी

इसलिए जरूरी 'समान नागरिक संहिता'

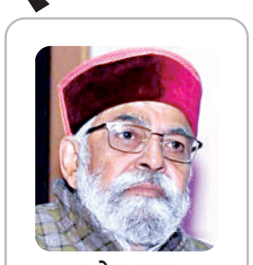

ज्ञानेन्द्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार व पर्यावरणविद्

उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी विधेयक न केवल विधान सभा में पेश कर एक नया इतिहास रचा है बल्कि उसे पारित कर देश के नव निर्माण में स्वर्णिम योगदान भी किया है। नया इतिहास इसलिए कि कानून बनने के बाद उत्तराखण्ड आजादी के बाद यू सी सी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। गौरतलब यह है कि गोवा में पुर्तगाली शासन के दौर से ही यू सी सी लागू है। वहां पुर्तगालियों के शासन के समय सिविल कोड लागू था, वह भी व्यक्तिगत नागरिक मामलों के लिए। गोवा के पुर्तगालियों के चंगुल से आजाद होने के समय एक आदेश द्वारा पुराने जारी कानून को यथावत रखने का प्रावधान किया गया। यही वजह है कि गोवा में अभी भी समान नागरिक संहिता चल रही है। जैसीकि आशा थी कि उत्तराखण्ड विधान सभा में इस विधेयक पर लम्बी चर्चा होगी लेकिन अंततः यह विधेयक राज्य विधान सभा में पारित हो ही गया और अब राजभवन और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून का रूप अख्तियार कर ही लेगा। गौरतलब यह है कि कुछ ही दिन पूर्व सुप्रीम कोर्ट की समिति द्वारा 740 पृष्ठों वाले इस विधेयक के मसौदे को राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपा गया था। राज्य की विधान सभा में विधेयक पेश होते ही सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा जहां हर्ष व्यक्त किया गया, वहीं उन्होंने मेजें थपथपाकर इसका पुरजोर स्वागत भी किया। वह बात दीगर है कि विरोधी दल कांग्रेस के सदस्यों द्वारा इस विधेयक को जल्दबाजी में पेश विधेयक की संज्ञा दी, वहीं उन्होंने विधेयक पर चर्चा के लिए समय न देने का आरोप भी लगाया।

इस विधेयक की विशेषता यह रही कि इसमें बहुविवाह और हलाला जैसी प्रथाओं को आपराधिक कृत्य बनाने तथा लिव-इन में रह रहे जोड़ों के बच्चों को भी सभी अधिकार दिए जाने का प्रावधान है, जिनमें कुछ मुद्दों पर विरोधी पक्ष के सदस्यों द्वारा धार्मिक आजादी के हनन की संज्ञा दी गई। जबकि इस विधेयक जिसे सत्तापक्ष ने सभी वर्गों को साथ लेने वाला विधेयक बताया है, जिसमें सभी वर्गों की लड़कियों के लिए शादी की

> *"समान नागरिक संहिता से सब कुछ एकरस हो जाएगा और देश अपनी विविधता तथा मूल प्रकृति खो देगा। इसे किसी भी किस्म पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह देश के विरोधी दलों की एकमुश्त राय है। फिर देश का मुस्लिम तबका भी यह मानता है कि यह उनके धर्म शास्त्रों के खिलाफ है, उसके ऊपर सुनियोजित हमला है। हमारी इस्लामी पहचान पर, हमारी आजादी पर हमला है।"*

न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और लड़कों के लिए 21 वर्ष रखने, शादी के 6 माह के भीतर अनिवार्य तौर पर पंजीकरण करवाने, जिस आधार पर पति तलाक ले सकता है, उसी आधार पर पत्नी द्वारा भी तलाक की मांग किए जाने, पति या पत्नी के रहते हुए दूसरी शादी यानी बहु विवाह पर सख्ती से पाबंदी, लड़के व लड़कियों को समान अधिकार, लिव-इन में रहने के लिए पंजीकरण की अनिवार्यता और विवाहित पुरुष या महिला के लिव-इन में रहने पर पाबंदी, सभी धर्मों के व्यक्तियों के लिए अपनी संपदा की वसीयत करने व बच्चों को उस दंपत्ति का जैविक बच्चे का अधिकार दिया गया है, बशर्ते वह दत्तक हो, नाजायज हो या फिर वह सेरोगेसी से ही क्यों न जन्मा हो।

गौरतलब है कि दुनिया में बहुतेरे ऐसे देश हैं जहां समान नागरिक संहिता है। यही नहीं बहुतेरे देशों में बिना किसी जाति-धर्म में भेदभाव किए समान कानून लागू हैं। यहां यह भी जान लेना जरूरी है कि वर्ष 2022 में सऊदी अरब में महिला अधिकारों, तलाक, विवाह की न्यूनतम उम्र को लेकर अपनी संहिता बनाई गई। और तो और जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, कनाडा, अजरबेजान, इंडोनेशिया, बांग्लादेश आदि मुल्कों में आज भी इस तरह के प्रावधान हैं, लेकिन वहां इन कानूनों को लेकर किसी भी तरह की नाइत्तफाकी नहीं है। तात्पर्य यह कि वहां किसी को भी ऐसी कोई शिकायत नहीं है। विचारणीय यह है कि फिर हमारे यहां ही इसका इतना विरोध क्यों? इसका अहम कारण है कि कुछ कट्टरपंथी और निहित स्वार्थी मानसिकता वाले लोग, दल जो अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते वोटों की राजनीति के लिए इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। उनके अनुसार हमारा देश विविध संस्कृतियों, भाषाओं, प्राकृतिक वैविध्य और विभिन्न धर्मों के अनुयायियों का देश है। उनके अनुसार यहां विविधता में ही एकता के दर्शन होते हैं, क्योंकि विविधता ही इसकी पहचान है। समान नागरिक संहिता से सब कुछ एकरस हो जाएगा और देश अपनी विविधता तथा मूल प्रकृति खो देगा। इसे किसी भी किस्म पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह देश के विरोधी दलों की एकमुश्त राय है। फिर देश का मुस्लिम तबका भी यह मानता है कि यह उनके धर्म शास्त्रों के खिलाफ है, उसके ऊपर सुनियोजित हमला है। हमारी इस्लामी पहचान पर, हमारी आजादी पर हमला है। उनका कहना है कि क्या हम अपने देश में अपनी इस्लामी पहचान के साथ नहीं रह सकते। हमें इस पर विचार करना होगा कि वे क्या वजहें थीं जिनके तहत समाज के अलग-अलग तबकों, वर्गों को अपने-अपने हितों की खातिर विशेष रियायतें क्यों दी गईं थीं? अब आखिर ऐसा क्या हो गया जिसके चलते ऐसा किया जा रहा है। यहां इस तथ्य को नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि आजादी के बाद से कई ऐसे मौके आए हैं। खासकर 1973 के बाद से जबकि सुप्रीम कोर्ट ने बहुतेरे मामलों पर ऐसी टिप्पणी की है कि समान नागरिक संहिता इस देश के लिए जरूरी है। इसे जितनी जल्दी हो लाना चाहिए। पर्सनल सिविल लॉ को ही लें, उसमें महिलाओं और पुरुषों में असमानता जगजाहिर है। पर्सनल सिविल लॉ में महिला अधिकारों का हनन कोई छिपी हुई बात नहीं है। जब सभी को समान अधिकार की बात की जाती है, उस दशा में महिलाओं के साथ भेदभाव क्यों? पर्सनल सिविल लॉ तो महिला अधिकारों के साथ हनन कहें या भेदभाव की जीती जागती मिसाल। इसे बरकरार रख समान अधिकार की बात बेमानी है। इसे धार्मिक बाना पहनाकर महिलाओं के साथ जुल्म और भेदभाव की इजाजत तो नहीं दी जा सकती। गौरतलब है कि हमारे यहां व्यक्तिगत मामलों को छोड़कर सभी कानून संविधान सम्मत हैं। हमारे यहां आजादी मिलते वक्त संविधान में उस समय व्यक्तिगत मामलों को इस आशय से छोड़ा गया था कि अभी-अभी देश का बंटवारा हुआ है। इसलिए यह समय समान नागरिक संहिता लाने का उचित नहीं है। इसको उचित समय पर चर्चा करके लाया जाए। यही वह वजह रही कि उस वक्त इस मसले को नीति निर्देशक तत्वों में रख दिया गया और केन्द्र व राज्य सरकारों को यह अधिकार दे दिया गया कि वह उचित समय आने पर इस मुद्दे पर कानून बनाएं। यही वजह रही कि 1973 के बाद समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट को समान नागरिक संहिता की जरूरत के बारे में टिप्पणी करनी पड़ी।

यह संहिता देश के दूसरे प्रदेशों के लिए जहां पथ प्रदर्शक का काम करेगी, वहीं देश के जनमानस में जनसंख्या वृद्धि ही नहीं, अन्य समस्याओं को लेकर भी जागरूकता लाने के दायित्व का भी बखूबी निर्वहन करेगी। साथ ही देश से रूढ़िवादी मानसिकता के खात्मे और नये भारत के निर्माण की दिशा में मील का पत्थर बनेगी, ऐसा मेरा मानना है। इससे महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया और मजबूत होगी। क्योंकि इसके बिना महिला सशक्तिकरण की कल्पना ही बेमानी होती। ऐसे अद्भुत प्रयास के लिए उत्तराखण्ड का योगदान न केवल स्तुतियोग्य है बल्कि प्रशंसनीय भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

पुस्तक मेले से मूर्धन्य साहित्यकार की पुस्तक ग़ायब

प्रकाश हेमावत
व्यंग्यकार

अत्यंत दुख के साथ सूचित करने में आता है कि हमारे नगर के मूर्धन्य मार्डन साहित्यकार जिन्होंने अभी भी साहित्य की दुनिया में तहलका मचा रखा है उनके द्वारा लिखी गई कई किताबें, कई पुस्तक मेलों की जान बनी हुई है उनकी पुस्तक से साहित्य पुस्तक मेले को पहचान मिल रही है। कई नवोदय साहित्यकारों को लिखने की नई रहा मिल रही है। यह कहते हुए कोई संकोच नहीं हो रहा है, बल्कि अत्यंत हर्ष का विषय मन में उल्लास मार रहा है।

इन मॉडर्न साहित्यकार महाशय ने हाल ही में एक ऐसी पुस्तक लिखी है जिसका शीर्षक है "जागते रहो चौकीदार" इस पुस्तक में इतना कुछ लिखा गया जिस पर चर्चा की जा सकती है इनकी जादूई लेखनी की वजह से यह पुस्तक कुछ दिनों पूर्व ब्लैक में बिक रही थी और लेखक के पास मात्र पांच पुस्तकें बची जो पांच तत्व की तरह इन्होंने संभाल कर रखी थी और इन पुस्तकों को लेकर वह अपने शहर के पुस्तक मेले में चले गए और जागते रहो चौकीदार की तरह इन पुस्तकों की चौकीदारी कर रहे थे लेकिन जिस स्थल की स्टॉल पर पुस्तकें रखी थी उस स्टॉल से पांचों पुस्तकें गायब हो गई या यूं कहूं तो किसी साहित्यकार ने आंखों में से काजल निकाल लिया। इस घटना ने साहित्यकार को ऊपर से नीचे तक हिला कर रख दिया जैसे ठहरे हुए पानी में किसी ने कंकर मार दिया। पूरे मेले में खलबली सी मच गई आखिर यह हुआ तो हुआ कैसे? यह सोचने वाली बात है। वहां पर लगी तीसरी आंख को भी उस चोर ने धोखा दे दिया। मेरे ख्याल से यह साहित्य इतिहास में पहली घटना होगी। यह सही है कि मॉर्डन साहित्यकार मूर्धन्य साहित्यकार होता है वह शब्द के साथ विचारों की कल्पना से धनवान होता है। व्हाट्सएप और फेसबुकिया यूनिवर्सिटी से साहित्य जगत की कई डिग्रियां एवं कई सम्मान व पुरस्कार हासिल कर रहे है उनकी एक नहीं कई किताबें निकल चुकी है, जो किताब गायब हुई वह किताब कोई मामूली नहीं है। वह किताब है "जागते रहो चौकीदार" मूर्धन्य मॉडर्न साहित्यकार की किताब गायब हो जाना निश्चित साहित्य जगत में एक ऐसी घटना है जिस पर जितना लिखा जाए। जितने प्रतिक्रिया की जाए उतना कम होगा क्योंकि, साहित्यक किताब कि गायब होना या फिर चोरी होना सनसनी खेज बात है। इनकी अब तक पांच छः दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें सात गजल संग्रह, चार कहानी संग्रह, तीन जुगाड़ी हाइकु संग्रह, सात व्यंग्य संग्रह, दो दोहा संग्रह शामिल हैं। "जागते रहो चौकीदार" यह साहाब का जबरदस्त किताबी और खिताबी मामला है यह इनकी साहित्य जीवन की जमा पूंजी है। इस किताब में कुल " 56 " लेख हैं। ये अपने, उनके, आपके, मेरे समय की आसपास होने वाली घटनाओं की विडम्बना ओं तथा विभिन्न प्रकार की घटनाओं पर केंद्रित भावों को सहजता से स्वीकार करते हुए, लिखते हुए कहते हुए पकड़ाए माफ करना पाएं गए। सच पूछो तो चोरी हुई पुस्तक पर इसलिए लिखना पड़ रहा है कि हमारे नगर के वरिष्ठ साहित्यकार फर्जी "पीएचडी" ने इसकी समीक्षा विमोचन के पावन अवसर पर की थी और मुझ पर इस चोरी हुई घटना पर लिखने के लिए दबाव डाला गया वह किसलिए कि मैं इनका शागिर्द हूं। जब इस घटनाक्रम पर तमाम साहित्यकारों को पता चला तो किसी ने सीआईडी, सीबीआई, से जांच करने के लिए बात कही तो किसी ने आमरण अनशन की बात करके हड़ताल पर जाने की धमकी दी। इस प्रकार की कार्यवाही को होता देखकर मेला स्थल पर एवं संचालक को में हलचल मच गई। मूर्धन्य मॉडर्न साहित्यकार के समर्थन में यह सब इसलिए किया जा रहा है कि इन साहित्यकारों के मन में लालच का लड्डू फूट रहा है वह इसलिए कि , मूर्धन्य मार्डन साहित्यकार की तरह आगे बढ़ने का लालच मन मे छुपें रुस्तम की तरह है।

इसलिए मूर्धन्य मार्डन साहित्यकार के आगे पीछे घूम जा रहा है और पता लगाया जा रहा है कि जागते रहो चौकीदार किताब मेले में से गायब हुई तो कैसे हुई? अब देखना यह है कि आगे होता है क्या दरअसल मूर्धन्य मॉडर्न साहित्यकार की पकड़ साहित्य जगत में सबसे बड़ी पकड़ है।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
का दो महीने में सरकार ने दशकों वर्ष पुरानी मांग को भी पूरा कर दिया है। केन्द्र, राजस्थान व हरियाणा की ट्रिपल इंजन की सरकार के प्रयासों से सीकर-चुरू-झुंझनू क्षेत्र के लोगों तक पानी पहुंचाने के लिए हरियाणा सरकार के साथ एओयू किया गया है।

नॉलेज कॉर्नर: आखिर क्या है इसके पीछे का साइंस

इस वजह से वी शेप में उड़ते हैं पक्षी!

सुबह और शाम होते ही पक्षियों की चहचहाहट सुनने के साथ लोगों को उन्हें उड़ता हुआ देखना भी काफी अच्छा लगता है। इस दौरान आपने देखा होगा कि पक्षियों के झुंड अक्सर वी शेप की आकृति में उड़ते हैं। फिर चाहे उन्हें कितनी भी दूरी क्यों न तय करना हो, वह इसी तरह वी का आकार बनाकर ही उड़ते हैं। पर, क्या आपको पता है कि पक्षियों के झुंड आखिर वी शेप के फॉर्मेशन को ही क्यों फॉलो करते हैं। अगर नहीं, तो आइए हम आपको बताते हैं इसके पीछे का साइंस क्या है। आज के नॉलेज कॉर्नर में विस्तार से जानने का प्रयास करते हैं कि आखिर वी शेप ही पक्षी उड़ान क्यों भरते हैं...

हवा का प्रतिरोध होता है कम

साइंस के अनुसार, वी शेप में उड़ने से पक्षियों को वायु की गति में लाभ मिलता है। जब वे इस तरीके से उड़ते हैं, तो एक दूसरे के उड़ान से उत्पन्न वायु प्रवाह का लाभ उठाते हैं। इससे हवा के प्रतिरोध को कम करने में भी मदद मिलती है। इस तरह उन्हें आसानी से और तेज उड़ने में मदद करता है। इससे पक्षियों की ऊर्जा भी बची रहती है और लंबे समय तक दूरी तय करने में भी कारगर होते हैं।

शिकार करने में होती है आसानी

दरअसल, वी शेप में पक्षियों के उड़ने से उन्हें बेहतर विजिबिलिटी मिलती है। इससे उन्हें शिकार करने में भी आसानी होती है। साथ ही, इससे पक्षियों को खतरे से बचने में भी मदद मिलती है, क्योंकि लीडर पक्षी अन्य पक्षियों को रास्ता दिखाता है। इसके अलावा, एक साथ झुंड में जा रहे पक्षियों को एक-दूसरे से कम्युनिकेशन करने में भी दिक्कत नहीं होती है।

कैसे बदलते हैं स्थान?

पक्षियों के झुंड में एक पक्षी ऐसा होता है, जो सबसे आगे होता है। बाकी के सारे पक्षी उनके पीछे-पीछे उड़ते हैं। उनमें, सबसे आगे उड़ने के लिए कोई कंपटीशन नहीं होता है। बल्कि सभी बराबर होते हैं। जब लीडर पक्षी आगे उड़ते हुए थक जाता है तो वह पीछे आ जाता है और उसकी जगह दूसरा पक्षी आगे आकर रास्ता गाइड करता है। कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश को दी 10 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात

यूपी में अब व्यापार, विकास-विश्वास व निवेश का माहौल: पीएम मोदी

एजेंसी | लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 7-8 वर्ष पहले हम सोच भी नहीं सकते थे कि उत्तर प्रदेश में भी निवेश और नौकरियों को लेकर ऐसा माहौल बनेगा। चारों तरफ अपराध, दंगे इन्हीं की खबरें आती थी, लेकिन आज उत्तर प्रदेश में लाखों करोड़ रुपए का निवेश आ रहा है। बीते सात साल में राज्य में व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल बना है। यहां आए सभी निवेशकों के बीच आशावाद दिख रहा है। पीएम मोदी ने सोमवार को यहां

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के ग्राउंड-ब्रेकिंग समारोह को संबोधित करते हुए यह बात

कही। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की 14 हजार से ज्यादा परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने चलचित्र के माध्यम से बदलते उत्तर प्रदेश की झलक भी देखी। पीएम मोदी ने कहा, मुझे यूपी के सामर्थ और डबल इंजन सरकार के परिश्रम पर पूरा विश्वास है। हर हिन्दुस्तानी को गर्व होता है कि यूपी ने ठान लिया है कि वो एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनेगा। देश के सभी राजनीतिक दलों से कहूंगा कि राजनीति छोड़िए और यूपी से सीखिए। आप कितने ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था अपने राज्य को बनाएंगे, ये संकल्प करके मैदान में आइए।

पूरी दुनिया भारत को बेहतर रिटर्न की गारंटी मान रही

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को लेकर पूरी दुनिया में अभूतपूर्व सकारात्मकता दिख रही है। उन्होंने कतर और संयुक्त अरब अमीरात की हाल की अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि हर देश भारत के विकास को लेकर आश्वस्त और भरोसे से भरा हुआ है। पूरी दुनिया भारत को बेहतर रिटर्न की गारंटी मान रही है। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि चुनाव नजदीक होने पर लोग नए निवेश से बचते हैं। लेकिन आज उत्तर प्रदेश ने यह सोच भी बदल दी है। दुनियाभर के इन्वेस्टर्स को सरकार की पॉलिसी और स्टेबिलिटी पर पूरा भरोसा है। ये विश्वास लखनऊ में झलक रहा है।

जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको आज मोदी पूछ रहा है

प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी, आज उनको भी पूछ रहा है, जिनको पहले किसी ने नहीं पूछा। शहरों में जो हमारे रेहड़ी-पटरी वाले भाई बहन होते हैं, उनके बारे में पहले किसी ने नहीं सोचा। हमारी सरकार इन लोगों के लिए पीएम स्वनिधि योजना लेकर आई, अब तक देश भर के रेहड़ी-पटरी वालों को 10 हजार करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है।

ईडी ने महुआ मोइत्रा को नया समन जारी किया

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस नेता और निष्कासित लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा को नया समन जारी किया है। उन्हें फेमा उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए सोमवार को बुलाया गया था। हालांकि, जब वे ईडी के सामने पेश नहीं हुईं तो जांच एजेंसी ने उन्हें नया समन जारी किया। 49 वर्षीय नेता को पेश होने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। गौरतलब है कि महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप लगे हैं। इन्हीं की जांच कर रही संसद की आचार समिति ने लोकसभा में महुआ की सांसदी खत्म करने की सिफारिश की थी। बाद में रिपोर्ट के आधार पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महुआ को निष्कासित कर दिया।

शरद की याचिका पर अजित गुट को नोटिस जारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राकांपा के संस्थापक शरद पवार की याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने अजित पवार गुट को 'असली' राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के तौर पर मान्यता देने के चुनाव आयोग के आदेश के खिलाफ नोटिस जारी किया। नोटिस में शीर्ष अदालत ने अजित पवार गुट से जवाब मांगा गया है। कोर्ट ने कहा कि शरद पवार गुट को पार्टी का नाम 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार' देने का निर्वाचन आयोग का फैसला अगले आदेश तक जारी रहेगा। इसके साथ ही कोर्ट ने पार्टी चिह्न आवंटित करने के लिए शरद पवार को निर्वाचन आयोग का रुख करने की अनुमति दी। कोर्ट ने चुनाव आयोग को आवेदन दाखिल करने के एक सप्ताह के भीतर आवंटन करने का निर्देश भी दिया।

अटकलों पर विराम: कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह व सज्जन सिंह वर्मा का दावा

भाजपा में नहीं जाएंगे कमलनाथ पार्टी की न्याय यात्रा में होंगे शामिल

एजेंसी | नई दिल्ली/भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पार्टी से रिश्ता तोड़कर भाजपा में जाने की अटकलों को अब विराम लगता दिख रहा है। कांग्रेस ने इस आशय की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के प्रदेश में पहुंचने के बाद इसमें शामिल होंगे। दूसरी तरफ, कमलनाथ ने भी इन अटकलों पर विराम लगाने का प्रयास किया और अपने करीबी नेता सज्जन सिंह वर्मा के माध्यम से यह संदेश दिया कि वह पार्टी छोड़कर नहीं जा रहे हैं तथा उनके पुत्र नकुलनाथ एक बार फिर से छिंदवाड़ा लोकसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर ही चुनाव लड़ेंगे। लेकिन इधर माना जा रहा है कि भाजपा के एक धड़े के विरोध के बाद कमलनाथ की भाजपा में एंट्री नहीं हो सकी। गौरतलब है कि कई दिनों से चर्चा है कि कमलनाथ अपने बेटे के साथ भाजपा में जाएंगे। उनके छिंदवाड़ा के दौरे रद्द कर अचानक दिल्ली पहुंचना, मीडिया से बातचीत में न इनकार, न इकरार वाली स्थिति होने से अटकलों को और बल मिलता रहा। कहा ये भी जा रहा है कि कमलनाथ के इस समय भाजपा में आने से भाजपा को कोई बड़ा फायदा होता नहीं दिख रहा, वहीं पार्टी के ही कई नेता कमलनाथ को लेकर साफ कह चुके हैं कि उनके लिए भाजपा के दरवाजे बंद हैं। भाजपा के पूर्व महासचिव कैलाश विजयवर्गीय बार-बार कमलनाथ के भाजपा में आने का विरोध करते देखे गए। पार्टी महासचिव और मध्य प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह ने दावा किया कि कमलनाथ को लेकर जो अटकलें और दुष्प्रचार हैं, वे सब भाजपा का किया धरा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, कमलनाथ हमारे बहुत ही वरिष्ठ नेता हैं। जो भी अटकलें चल रही हैं, ये सब भाजपा और मीडिया के एक हिस्से द्वारा फैलाया गया दुष्प्रचार है। सिंह के अनुसार, 'कमलनाथ से उनकी रविवार को भी बात हुई। इससे पहले शनिवार को भी बात हुई थी। उनसे चर्चा हुई कि यात्रा में किस तरह से तैयारियां करनी हैं।

भोपाल में बैठक आज, होगा मंथन

जितेन्द्र सिंह ने कहा, मैं मंगलवार को भोपाल जा रहा हूं। सांसद, विधायकों और नेताओं के साथ बैठक होगी। बैठक में कमलनाथ जी भी शामिल होंगे। उनके सुझाव के हिसाब से यात्रा चलेगी...कमलनाथ जी यात्रा में प्रमुख रूप से भाग लेंगे। उन्होंने कमलनाथ या उनके पुत्र नकुलनाथ के भाजपा के साथ जाने की अटकलों से संबंधित सवाल पर कहा, ये सारी अफवाहें हैं। सिंह ने कहा कि कमलनाथ यात्रा की तैयारियों में भाग ले रहे हैं. उनका यह भी कहना था कि नकुलनाथ भी यात्रा का हिस्सा बनेंगे। यह यात्रा मार्च महीने की शुरुआत में मध्य प्रदेश में दाखिल होगी।

विजयवर्गीय ने किया था विरोध

भाजपा नेता और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर कहा था कि मध्य प्रदेश भाजपा में उनके लिए कोई जगह नहीं है। प्रदेश भाजपा में उनके लिए दरवाजे बंद हैं। अगर केंद्रीय नेतृत्व चाहे तो कमलनाथ को पार्टी में शामिल कर सकता है, लेकिन मध्य प्रदेश भाजपा का निर्णय साफ है कि कमलनाथ के लिए कोई जगह नहीं है। ऐसा नहीं है कि विजयवर्गीय ने ऐसा पहली बार कहा। दो हफ्ते पहले भी कैलाश ने कहा था कि कमलनाथ के लिए भाजपा के दरवाजे बंद हैं।

सज्जन सिंह ने की कमलनाथ से मुलाकात

उधर, कमलनाथ के करीबी नेता सज्जन सिंह वर्मा ने कमलनाथ के पार्टी छोड़ने की अटकलों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि वह कहीं नहीं जा रहे तथा उनके पुत्र नकुलनाथ कांग्रेस के टिकट पर ही चुनाव लड़ेंगे। कमलनाथ के दिल्ली स्थित आवास पर उनसे मुलाकात के बाद वर्मा ने कहा कि उनकी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के साथ विस्तृत चर्चा हुई और कमलनाथ ने उन्हें बताया कि वह राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की मध्य प्रदेश में सफलता सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही भोपाल में एक बैठक करेंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "उन्होंने (कमलनाथ) मुझसे कहा कि मैं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी प्रभारियों को बुलाऊंगा और लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करूंगा। मैंने उनके बारे में मीडिया की अटकलों के बारे में पूछा जिस पर उन्होंने कहा कि मैं क्यों एक काल्पनिक प्रश्न का उत्तर दूं।

न्याय यात्रा के साथ अमेठी पहुंचे राहुल

यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो दी जाएगी एमएसपी: राहुल गांधी

एजेंसी | अमेठी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि किसान दिल्ली जाना चाहते हैं लेकिन उन्हें रोका जा रहा है। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मांग रहा है लेकिन सरकार नहीं सुन रही है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार आती है तो पार्टी कानूनी गारंटी के साथ एमएसपी देगी और जातीय जनगणना कराएगी। राहुल गांधी अमेठी में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए उन्हें झूठों का सरदार कहा। राहुल गांधी ने कहा कि किसान क्या मांग रहा है? किसान कह रहा है कि हमें एमएसपी दो। इसमें क्या बड़ी बात है? कांग्रेस पार्टी किसानों को यह देगी। इससे पहले सोमवार को राहुल भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ अमेठी पहुंचे। जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। हालांकि, इसके पहले भाजपा के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

अखिलेश न्याय यात्रा में नहीं शामिल हुए

राहुल ने अमेठी में न्याय यात्रा के दौरान रोड शो भी किया। लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव न्याय यात्रा में शामिल होने अमेठी नहीं पहुंचे। पहले यह कयास लगाए जा रहे थे कि अखिलेश अमेठी में न्याय यात्रा में शामिल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अखिलेश ने न्याय यात्रा में शामिल होने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि सीटों के बंटवारे के बाद वह न्याय यात्रा में आएंगे। राहुल ने सोमवार को प्रतापगढ़ से यात्रा शुरू की। इसके बाद अपने पुराने संसदीय क्षेत्र अमेठी पहुंचे। उन्होंने गौरीगंज में करीब 1 किलोमीटर की पदयात्रा की। इसके बाद उन्होंने बाबूगंज में जनसभा को संबोधित किया।

डॉ.फारूक अब्दुल्ला का पलटवार, आजाद ने दी सफाई

पीएम मोदी से मिलना है तो दिन में मिलूंगा, रात में क्यों: फारूक

एजेंसी | श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख डॉ.फारूक अब्दुल्ला ने डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के नेता गुलाम नबी आजाद के एक बयान को लेकर पलटवार किया है और कहा है कि अगर मुझे पीएम नरेंद्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलना होगा तो मैं उनसे दिन में मिलूंगा, रात में क्यों मिलूंगा? उन्होंने गुलाम नबी आजाद पर सवाल दागते हुए पूछा कि क्या कारण है कि उन्होंने फारूक अब्दुल्ला को

बदनाम करने की सोची है? इस बीच, आजाद ने मीडिया में आई खबरों पर अपनी सफाई देते हुए कहा है कि मैंने कभी यह दावा नहीं किया कि वह उनसे (पीएम मोदी) मिले थे। मैंने यह कहा था कि दिल्ली में सूत्रों के जरिए पता चला है कि वह केंद्रीय नेतृत्व से मिलने की कोशिश करते हैं। वह भी सिर्फ रात में। मैंने कभी नहीं कहा कि वह मिले या उन्हें मिलने का समय मिला। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, मैं आजाद की इज्जत करता हूं लेकिन मुझे हैरानी होती है। मैं किस डर से रात में मिलूं। उन्हें (आजाद को) यह याद रखना चाहिए कि जब कोई नहीं चाहता था कि उन्हें राज्यसभा की सीट मिले तब वह मैं ही था जिसने उन्हें राज्यसभा की सीट दी थी। लेकिन आज वह यह सब कह रहे हैं।

'MLA के वोट खरीदने की हो रही है कोशिश'

बेंगलुरु। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी पर आरोप लगाया कि वह राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस विधायकों के वोट खरीदने की पेशकश कर रहे हैं। शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, हम जानते हैं कि कुमारस्वामी किसे फोन कर रहे हैं। वह क्या बोल हैं और क्या पेशकश कर रहे हैं।

हमारे विधायकों ने हमें सारी जानकारी दी है। हम भाजपा की रणनीति से अच्छी तरह वाकिफ हैं।पत्रकारों ने उप मुख्यमंत्री से जब पूछा गया कि क्या विपक्षी दल क्रॉस वोटिंग का प्रयास कर रहे हैं?

सपा को एक और झटका संभव

स्वामी प्रसाद मौर्य की अब नई पार्टी के गठन की तैयारी

एजेंसी | रायबरेली

समाजवादी पार्टी के महासचिव पद से इस्तीफा देने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने अब नई पार्टी बनाने का संकेत दिया है। वह 22 फरवरी को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में अपने सियासी भविष्य को लेकर बड़ा ऐलान करेंगे। मौर्य का यह कदम समाजवादी पार्टी के लिए झटका हो सकता है। उनके साथ कई पिछड़े नेता जा सकते हैं। मौर्य ने नई पार्टी बनाने का संकेत रविवार को रायबरेली के राही ब्लॉक में एक कार्यक्रम के दौरान

दिया। सूत्रों के अनुसार 22 फरवरी को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी ने कार्यकर्ता सम्मेलन बुलाया, जिसमें स्वामी प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि होंगे। इसी कार्यक्रम में मौर्य अपनी नई पार्टी के नाम का ऐलान कर सकते हैं।

किसी के मन की कौन जाने: अखिलेश

इस बीच,सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मौर्य की दूसरी पार्टी बनाने की चर्चाओं पर कहा कि किसी के मन में क्या है ? यह कौन सी मशीन बताएगी ? लाभ लेकर तो सब चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 संविधान को बचाने का चुनाव है, इस देश के भविष्य को बचाने का चुनाव है। समाजवादी लोगों की जिम्मेदारी बड़ी है क्योंकि भाजपा ने सबसे ज्यादा धोखा गरीबों को दिया है।

सपा ने 11 और प्रत्याशी किए घोषित: गाजीपुर से मुख्तार के भाई अफजाल अंसारी को टिकट

गठबंधन बचाने के लिए सपा की कांग्रेस को 17 लोस सीटों की पेशकश

एजेंसी | नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन इंडिया के साथ सीटों के बंटवारे पर चर्चा व राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बीच समाजवादी पार्टी ने सोमवार को राज्य की 11 और सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी को गाजीपुर से उम्मीदवार घोषित किया है।

इस सूची के बाद अब साफ हो गया है कि सपा और रालोद के रास्ते भी जुदा हो गए हैं। पार्टी ने मुजफ्फरनगर सीट पर भी अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पहले यह सीट सपा रालोद को देने वाली थी। दूसरी ओर सपा ने कांग्रेस को 17 सीटों की पेशकश की है। ताकि भाजपा को एकजुट होकर टक्कर दी जा सके। सियासी जानकारों का मानना है कि समाजवादी पार्टी कांग्रेस से सलाह मशिवरे के बिना प्रत्याशियों की घोषणा कर यह संदेश भी देना चाह रही है कि उत्तर प्रदेश में उसका दबदबा है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि हमने कांग्रेस को 17 सीटों की पेशकश की है लेकिन अभी तक उनका जवाब नहीं आया है। इससे पहले सपा ने 11 सीटों की पेशकश की थी। हालांकि अभी

तक यह स्पष्ट नहीं है कि सपा ने कांग्रेस को कौन सी सीटें ऑफर की हैं।

बता दें सपा अब तक 27 सीटों पर प्रत्याशी उतार चुकी है। हालांकि इसमें कुछ ऐसी सीटें भी हैं जिन पर कांग्रेस भी दावा कर रही है। सपा की मौजूदा सूची के बाद

एक ओर जहां यह चर्चा शुरू हो गई है कि अब गाजीपुर से बसपा अब किसको उम्मीदवार बनाएगी तो वहीं कांग्रेस के लिए चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई है। माना जा रहा था कि कांग्रेस,राज्य की प्रतापगढ़ लोकसभा सीट पर दावा कर रही थी।

सपा ने इन सीटों पर घोषित किए प्रत्याशी

सपा द्वारा जारी नई सूची के अनुसार मुजफ्फरनगर से हरेंद्र मलिक, आंवला से नीरज मौर्य, शाहजहांपुर से राजेश कश्यप, हरदोई से ऊषा वर्मा का प्रत्याशी बनाया गया है। इनके अलावा मिश्रिख लोकसभा सीट से रामपाल राजवंशी, मोहनलालगंज से आरके चौधरी, प्रतापगढ़ से एसपी सिंह पटेल, बहराइच से रमेश गौतम, चंदौली से वीरेंद्र सिंह और गोंडा से श्रेया वर्मा को पार्टी ने टिकट दिया है। गाजीपुर से सपा के घोषित प्रत्याशी अफजल अंसारी का बड़ा भाई मुख्तार अंसारी बांदा जेल में बंद हैं। अफजल अंसारी ने 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा के केंद्रीय मंत्री मनोज सिन्हा को हराया था। इससे पहले सपा 16 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है।

सपा की इस सूची के संदेश

- रालोद के साथ उनका गठबंधन नहीं बचा है।
- कांग्रेस की ज्यादा सीटों की मांग को तवज्जो नहीं। प्रतापगढ़ सीट पर सपा प्रत्याशी की घोषणा से स्थिति स्पष्ट। कांग्रेस कर रही थी इस सीट पर दावा।

2019 में सपा को मिली थी 5 सीटों पर जीत

इंडिया गठबंधन के साथ सीट शेयरिंग मुद्दे को लेकर मामला यहां भी फंसा है कि यूपी की 80 लोकसभा सीटों में से 2019 के चुनावों में समाजवादी पार्टी मात्र 5 सीट जीत पाई थी, लेकिन 2024 के चुनाव में वह 65 सीट गठबंधन के नाते मांग रही है। वहीं, एक सीट पर जीत हासिल करने वाली कांग्रेस 25 सीटों पर दावेदारी ठोक रही है। इस सबके चलते समाजवादी पार्टी चरणबद्ध तरीके से अपने स्तर पर पार्टी प्रत्याशियों के नामों का ऐलान करने में जुटी है।

जरूरी खबर

संदेशखाली केस में सुनवाई से SC का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली गांव में रहने वाली महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न के संबंध में जांच और उसकी सुनवाई को पश्चिम बंगाल से बाहर स्थानांतरित करने और केंद्रीय जांच ब्यूरो या विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ता वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका वापस ले ली। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका के साथ कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख करने की इजाजत मांगी।

केजरीवाल फिर ईडी के समक्ष नहीं हुए पेश

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में सीएम अरविंद केजरीवाल सोमवार को भी प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं हुए। आम आदमी पार्टी ने ईडी के समन को गैरकानूनी बताया और कहा कि समन की वैधता का मामला अब कोर्ट में है। बार-बार समन भेजने के बजाय ईडी को कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। ईडी खुद ही कोर्ट में गई है। बता दें कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को अब तक छह समन जारी किए हैं। समन 14 को जारी किया गया और उन्हें 19 फरवरी को केंद्रीय एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था।

हल्द्वानी: मलिक से होगी 2.68 करोड़ रुपए की वसूली

नैनीताल। हल्द्वानी में नगर निगम ने हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक के खिलाफ 2.68 करोड़ रुपए की आरसी जारी कर दी है। इस आरसी को वसूली के लिए डीएम को भेज दिया गया है। अब तहसील के माध्यम से वसूली की जाएगी। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने सोमवार को आरसी जारी की। वसूली को लेकर डीएम को पत्र भी भेज दिया है। पत्र में कहा गया है कि अब्दुल मलिक के कब्जे में सरकारी जमीन को हटाने के दौरान हुई हिंसा में निगम के कई वाहन समेत सामान जल गया। इनकी लागत 2.44 करोड़ रुपए है। कहा कि निगम की ओर से अब्दुल मलिक के घर में नोटिस चस्पा किया गया था। 15 फरवरी तक पैसा जमा करने के लिए कहा गया था।

वायुसेना की सारंग टीम ने सिंगापुर में दिखाया कौशल

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की सारंग हेलिकॉप्टर टीम ने सिंगापुर पहुंचने के बाद रविवार को अपना पहला अभ्यास प्रदर्शन किया। सारंग टीम 20 फरवरी से शुरू हो रहे सिंगापुर एयर शो में भाग लेगी। एयर शो में प्रमुख हेलिकॉप्टर उत्पादक कंपनियां और ऑपरेटर अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे।

मणिपुर: हथियारों की लूट की होगी मजिस्ट्रेटी जांच

इंफाल। मणिपुर सरकार ने इंफाल पूर्व जिले के चिंगारेल में इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) शिविर से हथियारों की लूट की मजिस्ट्रेटी जांच का आदेश दिया है। जांच रिपोर्ट 30 दिनों के भीतर सरकार को सौंपनी होगी। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक 13 फरवरी को भीड़ ने चिंगारेल तेजपुर में 5वीं आईआरबी के शिविर पर हमला कर हथियार व गोला-बारूद लूट लिया था। भीड़ में अधिकांश युवा शामिल थे। इस दौरान भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच टकराव हुआ और दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। आदेश के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट खुमनथेम डायना को घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

चंडीगढ़ के मेयर चुनाव का मामला : आज भी होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट बैलेट पेपर व वीडियो फुटेज की अब खुद करेगा पड़ताल

■ शीर्ष अदालत ने जारी किए निर्देश

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट चंडीगढ़ मेयर चुनाव में पीठासीन अधिकारी द्वारा निशान लगाए गए बैलेट पेपर की जांच खुद करेगा। कोर्ट मामले की वीडियो फुटेज भी जांचेगा। शीर्ष अदालत ने संबंधित बैलेट पेपर और मतगणना के दिन का पूरा वीडियो फुटेज मंगलवार को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह ने माना है कि उन्होंने बैलेट पेपर पर निशाना लगाया। मसीह के अनुसार उन्होंने 8 बैलेट पर एक्स का निशान बनाया था।सुप्रीम कोर्ट इस मामले में मंगलवार को

सुनवाई करेगा। कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को आदेश दिया कि वह उनके पास सुरक्षित रखे गए चुनाव से संबंधी सामग्री और रिकॉर्ड में से बैलेट पेपर और मतगणना के दिन की पूरी वीडियो रिकार्डिंग सुप्रीम कोर्ट भेजें। कोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन को आदेश दिया है कि वह रिकॉर्ड और वीडियो रिकार्डिंग पेशी के लिए आने के दौरान उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने बताया कि अदालत ने पीठासीन अधिकारी का बयान दर्ज किया है जिसमें उन्होंने स्वीकार किया है।

CJI ने पूछे पीठासीन अधिकारी से सवाल

चीफ जस्टिस ने मसीह से सवाल किया कि आप कैमरा क्यों देख रहे थे, जैसा कि वीडियो में नजर आ रहा है। मसीह ने कहा कि सब शोर कर रहे थे। ऐसे में उन्होंने कैमरे की ओर देखा था। कोर्ट का दूसरा सवाल था कि वीडियो में दिख रहा है कि आप बैलेट पेपर पर क्रास का निशान लगा रहे हैं क्या आपने क्रास का निशान बैलेट पेपर पर लगाया था। मसीह ने कहा, हां आठ पहले से विरूपित बैलेट पेपर पर उन्होंने क्रास का निशान लगाया था।

दिखाया था कड़ा रुख

मेयर चुनाव को लेकर पिछली सुनवाई में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने सख्त रुख अपनाया था। पीठासीन अधिकारी का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह कथित रूप से अवैध करार दिए पार्षदों के वोटों पर निशान लगाते दिखाई दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर चंडीगढ़ प्रशासन को फटकार लगाई थी और मामले की अगली सुनवाई 19 फरवरी को रखी गई थी।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा...

सेना में महिला अफसरों की पदोन्नति पर नीति 31 मार्च तक होगी लागू

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि भारतीय सेना में महिला अधिकारियों की पदोन्नति को लेकर बनाई एक व्यापक नीति इस साल 31 मार्च तक लागू हो जाएगी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आर बालासुब्रमण्यम की दलीलों का संज्ञान लिया और निर्देश दिया कि एक अप्रैल तक इस पर एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की जाए। सीजेआई चंद्रचूड़ के साथ पीठ में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे। बालासुब्रमण्यम ने पीठ से कहा, महिला अधिकारियों के कॅरिअर में प्रगति और नियमित प्रमुख इकाइयों में कमान पर 31 मार्च, 2024 तक एक विस्तृत नीति लागू की जाएगी। कुछ महिला अधिकारियों की ओर से वकील वी मोहना पेश हुए। उन्होने कहा कि पदोन्नत किए गए सभी 225 पुरुष अधिकारियों को नियमित प्रमुख इकाइयों में कमान का पद दिया गया है।

31 मार्च तक का दिया था समय

शीर्ष अदालत को पिछले साल चार दिसंबर को बताया गया था कि भारतीय सेना में महिला अधिकारियों की पदोन्नति के मुद्दे से निपटने और कर्नल से ब्रिगेडियर के पद पर उनकी प्रगति पर विचार करने के लिए एक नीति तैयार करने पर विचार-विमर्श चल रहा है। उच्चतम न्यायालय ने तब सेना को महिला अधिकारियों की पदोन्नति पर पहले के निर्देश के अनुसार एक नीति तैयार करने के लिए 31 मार्च, 2024 तक का समय दिया था।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का आरोप

राज्य में आधार कार्ड निष्क्रिय किए

एजेंसी | कोलकाता/ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में लोगों के आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए हैं, ताकि उन्हें विभिन्न सामाजिक कल्याण की योजनाओं का लाभ लेने से रोका जा सके। ममता के आरोप के बीच भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने सोमवार को कहा कि आधार डाटाबेस को अपडेट रखने के लिए आधार नंबर धारकों को समय-समय पर सूचना दी जाती

है। लेकिन किसी का नंबर रद्द नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री बनर्जी राज्य के बीरभूम जिले में एक सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम में कहा था कि उनकी सरकार कल्याणकारी कार्यक्रमों को जारी रखेगी, भले ही लाभार्थियों के पास कार्ड न हो। बंगाल के लोगों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। बनर्जी ने कहा था, सावधान रहें.. वे (केंद्र सरकार) आधार कार्ड निष्क्रिय कर रहे हैं।

बंगाल के कई जिलों में कई आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं, ताकि लोगों को चुनाव से पहले बैंक में पैसे और मुफ्त राशन के लिए लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं का लाभ न मिल सके।

उन्होंने कहा, मैंने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि लोगों को लाभ से वंचित न किया जाए, भले ही उनके पास सक्रिय आधार कार्ड न हो। बंगाल के लोगों को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

वन भूमि में सफारी के लिए मंजूरी जरूरी

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को देशभर में वन संरक्षण के लिए कई निर्देश जारी किए। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वन भूमि पर अब चिड़ियाघर खोलने या सफारी के किसी भी नए प्रस्ताव को उसकी मंजूरी की आवश्यकता होगी। अदालत ने इस दलील पर ध्यान दिया कि वन संरक्षण के लिए 2023 का संशोधित कानून करीब 1.99 लाख वर्ग किलोमीटर वन भूमि को वन के दायरे से बाहर रखता है। सीजेआई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की।

आजीविका मेला शुरू

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में सोमवार को सरस आजीविका मेला शुरू हुआ। ग्रामीण विकास सचिव शैलेष कुमार सिंह ने मेले का उद्घाटन किया।

टाटा ग्रुप 365 बिलियन डॉलर... पाकिस्तान की जीडीपी 341 अरब डॉलर

टाटा ग्रुप के सामने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बौनी

एजेंसी | नई दिल्ली/इस्लामाबाद

राजनीतिक अनिश्चितता के बीच पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। यह तस्वीर इस्लामाबाद में मौजूद थिंक टैंक तबाडलैब की एक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान का कर्ज अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आकलन से कहीं अधिक गंभीर है।

यह खबर एक ऐसे समय में आई है, जब भारत के टाटा ग्रुप का मार्केट कैप पूरी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था से ज्यादा है। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से टाटा ग्रुप 365 बिलियन डॉलर का है। वहीं आईएमएफ के मुताबिक

पाकिस्तान की कुल जीडीपी 341 अरब डॉलर है।

टाटा ग्रुप की कई कंपनियों ने एक साल में भारी भरकम कमाई की है, जिसकी वजह से पूरे ग्रुप का जो नया साइज बना है, वो पाकिस्तान की जीडीपी से ज्यादा हो गया है। सिर्फ इतना ही नहीं, टाटा ग्रुप की टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), जिसका बाजार मूल्य 170 अरब डॉलर है, वो अब भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है, वो पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की करीब आधे आकार की बन गई है। पाकिस्तान के कर्ज की स्थिरता पर यह चिंता ऐसे समय में सामने आई है मतदाताओं के बीच पहले से ही अर्थव्यवस्था को लेकर निराशा है। पाकिस्तान में हुए चुनाव ने इस अनिश्चितता को और भी ज्यादा उजागर किया है। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार शहबाज शरीफ ने संकट को रोकने के लिए एक नए आईएमएफ बेलआउट पैकेज की तत्काल जरूरत पर जोर दिया है।

मुश्किल हालात में है पड़ोसी देश की अर्थव्यवस्था

पाकिस्तान के अर्थव्यवस्था की बात करें तो वित्त वर्ष 2022 में इसमें 6.1 प्रतिशत और 2021 में 5.8 फिसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, वित्त वर्ष 2023 में गिरावट का अनुमान है। बाढ़ के चलते पाकिस्तान को अरबों डॉलर की क्षति हुई है, जिसके चलते उस पर करीब 125 अरब डॉलर का कर्ज चढ़ा हुआ है। पाकिस्तान की कोशिश है कि वह जुलाई तक 25 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान करना चाहता है। लेकिन उसकी मुश्किल यहीं कम नहीं होती है। आईएमएफ के मुताबिक, उसका विदेशी मुद्रा भंडार 8 अरब डॉलर ही बचा है।

पाकिस्तान: प्रति व्यक्ति पर कर्ज में 36 प्रतिशत की वृद्धि

पाकिस्तानी थिंक टैंक की रिर्पोट के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में, पाकिस्तान का कर्ज काफी बढ़ा है। 2011 से 2023 तक, पाकिस्तान में प्रति व्यक्ति कर्ज 36% बढ़कर 2023 में 1,122 डालर हो गया। इसी अवधि में, पाकिस्तान की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2023 में 6% घटकर 1,223 डालर हो गई। कर्ज और आय वृद्धि के बीच यह बढ़ता अंतर ज्यादा उधार लेने की जरूरत को दिखाता है। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि 2011 में जन्मे एक नवजात शिशु को 70,778 पाकिस्तानी रुपए का कर्ज विरासत में मिला, जबकि 2023 में जन्मे एक नवजात शिशु को 321,341 पाकिस्तानी रुपए के कर्ज के साथ शुरुआत होती है, जो 4.5 गुना वृद्धि दर्शाता है।

रक्षा विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन

नौसेना 2047 तक बन जाएगी आत्मनिर्भर

एजेंसी | पुणे

नौसेना अध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार ने सोमवार को कहा कि भारतीय नौसेना 2047 तक आत्मनिर्भर बन जाएगी। साथ ही उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने में उद्योगों से मदद की अपील की। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब हर जहाज, पनडुब्बी, विमान और हथियार प्रणाली का भारत में निर्माण करना है। नौसेना प्रमुख ने महाराष्ट्र के पुणे में विभिन्न रक्षा परियोजनाओं पर काम करने वाले निबे डिफेंस एंड एयरोस्पेस के विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन के मौके पर यह बात कही। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने सरकार से वादा किया है कि हम 2047 तक पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन जाएंगे और इसके लिए हमें उद्योग की मदद की आवश्यकता होगी। **50 देशों के नौसैनिक अभ्यास:** भारत की मेजबानी में विशाखापट्टनम में करीब 50 देशों की नौसेनाएं सबसे बड़े सैन्य अभ्यास मिलन-24 में अपना रणकौशल दिखाएंगी। 9 दिवसीय यह अभ्यास लाल सागर में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं समेत अस्थिर भ-राजनीतिक माहौल के बीच हो रहा है।

सिंगिंग की यात्रा में आए पड़ावों से कराया रूबरू

संगीत को प्रोत्साहित करने के लिए पहले भाषा को देना होगा प्रोत्साहन

राजस्थान फोरम की डेजर्ट सोल सीरीज में रूबरू हुईं लोक गायिका सीमा मिश्रा

बेधड़क.जयपुर। अगर ठान लिया जाए तो चुनौती कुछ नहीं होती। मैंने यही किया और ठान लिया कि मुझे गायन में ही भविष्य बनाना है। मेरे इस दृढ़ निश्चय से हर चुनौति सफलता बनती चली गई। यह कहना था सिंगर सीमा मिश्रा का। वे राजस्थान फोरम की डेजर्ट सोल सीरीज में बोल रही थीं। मिश्रा शहर के संस्कृति प्रेमियों से रूबरू हुईं। इस मौके पर राजस्थान फोरम की सदस्या और रंगकर्मी डॉ. सालेहा ने विभिन्न रोचक सवालों के जरिए मिश्रा की 30 वर्ष से भी अधिक की लोक गायकी की यात्रा में आए विभिन्न पड़ावों और सीमा द्वारा इस क्षेत्र में किए गए कार्यों को वहां मौजूद श्रोताओं के समक्ष रखा। डेजर्ट सोल सिरीज राजस्थान फोरम की पहल है। सीरीज में राजस्थान की उन हस्तियों के कृतित्व पर चर्चा की जाती है, जिन्होंने राजस्थान में रहकर उल्लेखनीय कार्य किया है।

मेरे संगतकार मेरा परिवार है

अपने संगतकारों का जिक्र करते हुए सीमा ने कहा, कि बिना साज के आवाज अधूरी रहती है। मेरे संगतकार मेरा परिवार हैं। मैं अपने हर कार्यक्रम में उन्हें खुद के समान ही आदर दिलवाती हूं। मैं जहां ठहरती हूं, जो खाती हूं, जिस साधन से जाती हूं उन्हें भी वही सुविधाएं दिलाती हूं।

मेरी आवाज ही मेरी पहचान है

बातचीत के दौरान सीमा ने कहा, कि लोग मुझे नाम से कम और काम यानी आवाज से ज्यादा पहचानते हैं। एक वाकिया सुनते हुए उन्होंने कहा, कि मंदिर के बाहर भजनों की कैसेट बिक रही थी। जब मैं वहां पहुंची तो दुकानदार ने मेरे ही भजनों की कैसेट यह कहकर बेची कि "यह सीमा मिश्रा की कैसेट है जो बहुत अच्छा गाती है। अंत में भाषा पर बात करते हुए कहा, कि लोक संगीत को प्रोत्साहित करने के लिए पहले भाषा को प्रोत्साहन देना होगा और भाषा को मान्यता देने की शुरुआत घर से होगी। इससे पूर्व राजस्थान फोरम के सदस्य अशोक राही ने कार्यक्रम में आए अतिथियों और कलाकारों का अभिनंदन किया। टॉक शो में मौजूद फोरम के सदस्य पद्मश्री राम किशोर छीपा और पद्मश्री मुन्ना मास्टर ने सीमा मिश्रा को स्मृति चिन्ह भेंटकर फोरम की ओर से अभिनंदन किया। इस मौके पर राजस्थान फोरम के सदस्य तिलक गिताई, मंजरी महाजनी, विद्या सागर उपाध्याय और सांस्कृतिक समन्वयक सर्वेश भट्ट सहित शहर के चुनिंदा संस्कृति प्रेमी मौजूद रहे।

'मिलेनेयर्स ऑफ लव' की घोषणा

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान की पहली इंडो हॉलीवुड म्यूजिकल फिल्म "मिलेनेयर्स ऑफ लव' की घोषणा की गई। अमेरिका के लेखक निर्माता मुकेश पारिख की इस फिल्म के सह निर्माता सोमेंद्र हर्ष हैं। दो बार फिल्म फेयर अवॉर्ड विनर संगीतकार मिथुन ने संगीत दिया है और तीन बार ग्रामी विनर रिक्की केज गेस्ट कम्पोजर हैं। ऑफिशियल घोषणा के अवसर पर निर्माता मुकेश पारिख, मिथुन, रिक्की केज आदि के साथ एक्टर अनूप सोनी उपस्थित रहे। मुम्बई के पीवीआर सिनेमा में आयोजित समारोह में सभी को परंपरागत राजस्थानी साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। प्रोड्यूसर मुकेश ने प्रोजेक्ट के बारे में कहा, कि "प्रोजेक्ट शक्तियों का मेला है। काफी रिसर्च के बाद स्टोरी लिखी है।

सुर संगम समारोह आज से

बेधड़क. जयपुर। सुर संगम संस्थान का 34वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय युवा संगीत समारोह 20 से 22 फरवरी तक जवाहर कला केन्द्र में होगा। सुर संगम अध्यक्ष के. सी मालू और सचिव मुकेश अग्रवाल ने बताया, कि मंगलवार को शाम 4.30 बजे केन्द्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुन राम मेघवाल समारोह का उद्घाटन करेंगे। इससे पूर्व दोपहर 2.30 बजे से अंतिम चरण के मुकाबले शुरू होंगे, जिसमें जयपुर सहित देश के 10 राज्यों की 40 प्रतिभाएं रंगायन ऑडिटोरियम में प्रदर्शन करेंगी। चयनित एक प्रतिभा को 1 लाख रुपए का नकद पुरस्कार, एक को गणेश राणा की ओर से 51 हजार, 4 प्रतियोगितयों को 25-25 हजार रुपए के तारा तथा शास्त्रीय गायन श्रेणी में एक प्रतिभा को ध्रुवपद मार्तण्ड पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग की स्मृति में 11 हजार का नकद इनाम दिया जाएगा।

शिविर में 325 यूनिट रक्त एकत्रित

बेधड़क. जयपुर। बेस्ट कैपिटल और रोटरी क्लब जयपुर रोयल की ओर से सी-स्कीम स्थित लुहाड़िया टावर में 12वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। आयोजक अरुण बगड़िया ने बताया, कि सिविल लाइंस विधायक डॉ. गोपाल शर्मा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। शिविर में 325 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का आयोजन एसएमएस अस्पताल ब्लड बैंक, स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक और गुरुकुल ब्लड बैंक के सहयोग से हुआ। पूनम बगड़िया, रामसिंह चांदावास, इंद्र सिंह, रामविलास शर्मा, सुरेंद्र सिंह, मोहन बगडिया, हेमंत, जितेंद्र यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

City इवेंट्स

धर्म और राजनीति पर संगोष्ठी का आयोजन

बेधड़क. जयपुर। 'मुक्त मंच', जयपुर की 79 वीं संगोष्ठी "धर्म में राजनीति और राजनीति में धर्म" विषय पर परमहंस योगिनी डॉ.पुष्पलता गर्ग के सान्निध्य और भाषाविद डॉ.नरेंद्र शर्मा कुसुम की अध्यक्षता में योग साधना आश्रम में संपन्न हुई। डॉ. नरेंद्र शर्मा कुसुम ने कहा कि लोकतंत्र में राजसत्ता का नियंत्रक एवं नियामक एक व्यक्ति नहीं होता बल्कि कई राजनीतिक दल सक्रिय रहते हैं। फलतः धर्म में राजनीति स्वार्थवश हावी हो जाती है। राजनीति में विकृतियां आ जाती हैं और सुशासन दूर की कौड़ी हो जाती है। मुख्य अतिथि आईएएस अरुण ओझा ने कहा कि धर्मगुरु जातिगत या धार्मिक भावनाओं के वशीभूत होकर समाज में विघटनकारी प्रवृत्तियों से विलग रहें। कार्यक्रम में प्रो. राजेंद्र गर्ग, पूर्व बैंक अधिकारी इंद्र भंसाली, डॉ. सुभाष चंद्र गुप्ता, शालिनी शर्मा, प्रखर पत्रकार सुधांशु, डॉ. पुष्पलता गर्ग, कवि फारूक आफरीदी ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

बैडमिंटन, टेटे और कैरम मुकाबले रहे खास

बेधड़क. जयपुर। निविक टेबलिंटन में प्लेयर्स ने बैडमिंटन, टेबल टेनिस और कैरम में टैलेंट दिखाया और जीत को एंजॉय किया। टूर्नामेंट के मुख्य संयोजक डॉ. सौरभ जैन ने बताया, कि लगभग 800 प्लेयर्स भाग ले रहे हैं। सभी स्पोर्ट्स के सभी वर्गों में कुल 56 टीमों ने भाग लिया है। कैरम संयोजक डॉ. अजीत जैन व डॉ. आशीष जैन ने बताया कि कैरम टीम इवेंट में 10 टीमों ने भाग लिया। टीम इवेंट का फाइनल मुकाबला परतानी व कल्ला के बीच हुआ, जिसमें टीम परतानी की ओर से डॉ. विवेक मित्तल व डॉ. अरुण परतानी का दमदार प्रदर्शन रहा। डॉ. संकल्प अवस्थी, डॉ. मनीष अजमेरा, डॉ. अनुराग शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया।

डॉ. सत्यनारायण को किया सम्मानित

बेधड़क. जयपुर। डॉ. सत्यनारायण चौधरी को यूथ वर्ल्ड सोशल न्यूज मंच ने यूथ वर्ल्ड डायमंड अचीवर्स अवॉर्ड-2024 से सम्मानित किया। सम्मान यूथ वर्ल्ड संरक्षक डॉ. एम. पी. सिंह व निदेशक डॉ. मधुमाया सिंह व चेयरमैन डॉ. भैरुसिंह राजपुरोहित, राजेंद्र कपूर, मुख्य अतिथि समाजसेवी पुखराज सिंह राजपुरोहित मोहराई ने दिया। सम्मान साहित्यिक योगदान व शिक्षा क्षेत्र में योगदान के लिए दिया गया।

सिने जगत को आधार बनाकर लिखा गया उपन्यास

मुरारी गुप्ता के उपन्यास 'सुगंधा' का विश्व पुस्तक मेले में विमोचन

बेधड़क | जयपुर

दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में जयपुर के युवा उपन्यासकार मुरारी गुप्ता के उपन्यास 'सुगंधा- एक सिने सुंदरी की त्रासद कथा' का विमोचन किया गया।

ख्यातनाम साहित्यकार लीलाधर मंडलोई, प्रेम जनमेजय और गीताश्री ने उपन्यास का विमोचन किया। इस अवसर लीलाधर मंडलोई, प्रेम जनमेजय और गीताश्री ने साहित्य जगत में आ रहे बदलावों पर बात की। इस दौरान अपने उपन्यास पर चर्चा करते हुए मुरारी गुप्ता ने कहा कि 'सुगंधा' सिनेमा जगत को आधार बनाकर लिखा गया उपन्यास है। उन्होंने कहा कि उपन्यास में सिनेमा जगत में परदे के पीछे की दिलचस्प घटनाओं को एक पत्रकार को सूत्रधार बनाकर लिखा है। उपन्यास में अंडरवर्ल्ड और चरमपंथियों की सिनेमाई दुनिया में दखल को एक लोकप्रिय और खूबसूरत अभिनेत्री सुगंधा के चरित्र के जरिए कैनवास खींचा गया है। मुरारी गुप्ता ने कहा कि उपन्यास में सुगंधा के चरित्र के माध्यम से दुनिया के सामने वर्तमान वैश्विक चुनौतियों को भी समेटने को प्रयास किया है।

उन्होंने कहा कि यह उनका पहला उपन्यास है। भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी और दूरदर्शन में संपादक मुरारी गुप्ता का इससे पहले एक कहानी संग्रह और एक यात्रा वृतांत भी प्रकाशित हो चुका हैं।

उप-मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा करेंगे 10.30 बजे उद्घाटन

प्रेस प्रीमियर लीग में पत्रकार लगाएंगे चौके और छक्के

बेधड़क | जयपुर

जयपुर एक बार फिर प्रेस प्रीमियर लीग का गवाह बनेगा और पत्रकार चौके-छक्के लगाएंगे। इसके लिए पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से प्रेस प्रीमियर लीग-2024 की शुरुआत मंगलवार से होगी। मानसरोवर स्थित केएल सैनी स्टेडियम में पहला मैच सुबह 9 बजे फर्स्ट इंडिया रेड और न्यूज 18 तथा दूसरा मैच टाइम्स ऑफ इंडिया और समाचार जगत के बीच खेला जाएगा। प्रेस प्रीमियर लीग का सुबह 10.30 बजे उप-मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा उद्घाटन करेंगे। इससे पहले पीपीएल में शामिल होने वाली टीमों का ड्रॉ रविवार को प्रेस क्लब मीडिया सेन्टर में निकाला गया था।

16 टीमें ले रहीं भाग

लीग में 16 टीमें भाग ले रही हैं और 4 पूल बनाएं गए हैं। पूल-1 में दैनिक भास्कर, प्रेस क्लब रॉयल, समाचार जगत, टाइम्स ऑफ इण्डिया, पूल-2 में सच बेधड़क, दैनिक नवज्योति, नेशनल इलेवन, डीबी डिजीटल, पूल-3 में महानगर टाइम्स, फर्स्ट इण्डिया रेड, न्यूज-18, समाचार प्लस, पूल-4 में फर्स्ट इण्डिया ब्लू, आई टी. चौक, सियासी भारत, जी-राजस्थान शामिल हैं। इस बार आरसीए की ओर से आरसीए ग्राउण्ड व के. एल. सैनी स्टेडियम निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है।

आगमन | श्रीराम जन्मभूमि के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज का जयपुर प्रवास

पंडित महेश दत्त गुरुजी ने सुनाया संगीतमय भगवत गान

बेधड़क | जयपुर

श्रीराम जन्मभूमि के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर जयपुर आए हुए हैं। सोमवार को एक निजी आवास पर पंडित महेश दत्त गुरुजी द्वारा गोविंद गिरी महाराज को संगीतमय भगवत गान सुनाया गया। जब पंडित महेश दत्त गुरुजी ने गोविंद गिरी महाराज को बिंदु का एक पद "कुछ इधर भी रहा कुछ उधर भी रहा' सुनाया तो गोविंद गिरी भाव विभोर हो गए। दोनों संतों के मिलन में आध्यात्मिक चर्चा भी हुई। गोविंद गिरी महाराज ने पंडित महेश दत्त गुरुजी का शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। इस मौके पर सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा भी मौजूद रहे।

पिंजरापोल गोशाला में की गोसेवा

सन्त गोविंद गिरी महाराज सोमवार को पिंजरापोल गोशाला पहुंचे। भारतीय गोशाला सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अतुल गुप्ता ने गोविंद गिरी महाराज का माला व दुपट्टा पहना कर स्वागत अभिनंदन किया तथा गोमती माता की पूजा संपन्न कराई। गोमती गाय माता को हरा चारा व गुड़ खिलाया तथा चरणों की पूजा अर्चना की। इसके बाद श्री काल भैरव मंदिर में वैदिक मंत्रों द्वारा आचार्य विष्णु दाधीच टोरड़ी ने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना और हवन संपन्न करवाया। महाराज गोविंद गिरी ने प्रवचन पूर्व अपने आराध्य श्री राम दरबार का अर्चन करते हुए कहा कि पिंजरापोल गोशाला संपूर्ण भारत में कृषि के क्षेत्र में अलौकिक कार्य कर रहा है। महाराज ने मानव जीवन में गो कृषि के द्वारा राष्ट्र निर्माण को अहम बताया। डॉ. अतुल गुप्ता द्वारा 5000 वर्ष पूर्व लिखे गए वेद महर्षि चरक द्वारा चरक संहिता की ओरिजिनल प्रति महाराज को भेंट की गई। सन्त गोविंद गिरी महाराज ने डॉ. अतुल गुप्ता द्वारा लिखी गई पुस्तक का विमोचन किया तथा गो आधारित उत्पादों का अवलोकन भी किया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, मंगलवार, 20 फरवरी, 2024

जो खोजेगा, वह पायेगा ।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

विद्रोही गुटों के हाथों एक शहर गंवाने के बाद म्यांमार की जुंटा सरकार का फैसला

सरेंडर करने वाले तीन ब्रिगेडियर जनरलों को सजा-ए-मौत

जुंटा चीफ जनरल मिन आंग ह्लाइंग

एजेंसी | नेपीडॉ

म्यांमार की जुंटा सरकार ने अपने तीन बिग्रेडियर जनरलों को मौत की सजा सुनाई है। इन ब्रिगेडियरों ने पिछले महीने चीनी सीमा पर एक अहम रणनीतिक शहर विद्रोही गुटों के हाथों गंवा दिया था। इसके बाद इन तीनों ने सैकड़ों सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया था। इस मामले में म्यांमार के जुंटा ने इन तीनों ब्रिगेडियर जनरलों को मौत की सजा दी है। एएफपी ने एक सैन्य सूत्र के हवाले से बताया गया है कि लौकाई शहर के कमांडर सहित तीन ब्रिगेडियर जनरलों को सजा मिली है।

गौरतलब है कि इसी साल जनवरी में एक महत्वपूर्ण घटना सामने आई थी, जब उत्तरी शान राज्य में स्थित लौक्कई में सैकड़ों सैनिकों ने महीनों के संघर्ष के बाद थ्री ब्रदरहुड एलायंस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। यह आत्मसमर्पण हाल के समय में सेना की सबसे बड़ी असफलताओं में से एक था। इस सरेंडर के बाद जुंटा को काफी ज्यादा आलोचना का सामना करना पड़ा था। इसके बाद जुंटा ने इस घटना की जांच का फैसला लिया था।

जुंटा का देशभर में भीषण विरोध

म्यांमार के जुंटा कहे जाने वाले सैन्य शासक देशभर में भीषण प्रतिरोध का सामना कर रहे हैं। विद्रोही गुटों का एलायंस जुंटा के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व कर रहा है। विद्रोही गुटों के सामने जुंटा ने कई सीमावर्ती कस्बों और महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों से नियंत्रण खो दिया है। म्यामांर में विद्रोही गुटों के सामने उसके सैनिक हथियार डालने को मजबूर हो रहे हैं। इस सबके बीच जुंटा सैनिकों की भारी कमी का भी सामना कर रहा है।

पद छोड़ने का बढ़ रहा दबाव

म्यामांर में आंग सान सूकी की चुनी गई सरकार को 2021 में जुंटा द्वारा तख्तापलट में गिराए जाने के बाद गृहयुद्ध शुरू हुआ था। सेना ने 2021 में आंग सान सूकी की निर्वाचित सरकार को बर्खास्त कर दिया था। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर सेना की तख्तापलट के बाद की कार्रवाई ने स्थिति को और खराब कर दिया। इसके बाद विरोधी गुट एकजुट होकर सैन्य शासन के खिलाफ उतर गए। विद्रोही गुटों के बढ़ते प्रभाव के चलते जनरल ह्लाइंग पर भी जुंटा चीफ का पद छोड़ने का दबाव बढ़ रहा है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स-2024 ने जारी की रैंकिंग

फ्रांस सहित छह देशों का पासपोर्ट सबसे मजबूत

एजेंसी | वॉशिंगटन

फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, सिंगापुर और स्पेन का पासपोर्ट दुनिया के सबसे मजबूत पासपोर्ट के रूप में उभर कर सामने आया है। इन देशों के पासपोर्ट धारक 194 देशों में बिना वीजा के सफर कर सकते हैं। गौरतलब है कि किसी भी देश की सॉफ्ट पावर उसके पासपोर्ट से देखी जाती है। एक मजबूत पासपोर्ट नागरिकों को बिना वीजा की जरूरत के दुनिया भर के देशों में यात्रा करने की इजाजत देता है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स देशों को उनके पासपोर्ट की ताकत के आधार पर रैंक करता है। 2024 की हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की लिस्ट सामने आई है। 2024 में इस लिस्ट में सबसे ऊपर फ्रांस है। फ्रांस के पासपोर्ट के जरिए 194 देशों में बिना वीजा के पहुंचा जा सकता है। पाकिस्तान 106 नंबर का अपना रैंक बरकरार रखे हुए है, जो लिस्ट में नीचे से चौथा है। जबकि बांग्लादेश इस साल 101 से 102 पर पहुंच गया है। भारत का पड़ोसी मालदीव 58वें स्थान पर है, जिसके नागरिक 96वें देशों में बिना वीजा जा सकते हैं।

भारतीय पासपोर्ट धारक कर सकते हैं 62 देशों में बिना वीजा प्रवेश

भारत पिछले साल से एक पायदान नीचे गिरकर 85वें स्थान पर आ गया है। लेकिन अच्छी बात है कि पहले जहां भारतीय पासपोर्ट पर सिर्फ 60 देशों में जाया जा सकता था, वह संख्या अब बढ़कर 62 हो गई है। चीन की रैंकिंग में कुछ सुधार देखने को मिला है। पड़ौसी चीन 2023 में 66वें नंबर पर था, जो अब 64वें पर पहुंच गया है। क्योंकि चीन ने कोरोना के बाद अपने टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कई यूरोपीय देशों को वीजा-फ्री पहुंच प्रदान की है। अमेरिका की पासपोर्ट रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है। पहले यह 7वें स्थान पर था। अब अमेरिका 6वें स्थान पर पहुंच गया। अमेरिका के लोग 189 देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं।

दूसरे स्थान पर चार देश

फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, सिंगापुर और स्पेन पासपोर्ट रैंकिंग में नंबर 1 पर हैं, जिसके जरिए 194 देशों में बिना वीजा जाया जा सकता है। फिनलैंड, नीदरलैंड्स, दक्षिण कोरिया, स्वीडन, दूसरे नंबर पर हैं, जिससे 193 देश में बिना वीजा के एंट्री मिलेगी। 192 देशों में बिना वीजा एंट्री के साथ ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड, लक्समबर्ग और यूके हैं। सबसे खराब रैंकिंग वाले टॉप 5 पासपोर्ट में अफगानिस्तान, सीरिया, इराक, पाकिस्तान और यमन आते हैं।

फिलिस्तीनी क्षेत्रों में कब्जों का मामला

इजराइल पर आईसीजे ने शुरू की सुनवाई

एजेंसी | हेग

इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आईसीजे) ने फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर इजराइल के कब्जे के मामले में सोमवार शुरू कर दी है। इजराइल के खिलाफ गाजा पट्टी में नरसंहार करने के आरोपों पर भी अतंरराष्ट्रीय अदालत ने करीब एक महीने पहले सुनवाई की थी। अब एक अलग केस में फिलीस्तीनी क्षेत्रों पर अवैध तरीके से कब्जे करने के मामले में सुनवाई हो रही है। अपनी तरह के इस पहले मामले में कम से कम 52 देश वेस्ट बैंक, गाजा और पूर्वी यरुशलम में विवादास्पद इजराइली नीतियों पर दलीलें पेश करेंगे। मामले में एक सप्ताह तक बहस चलेगी।

फैसला मानने की बाध्यता नहीं

आईसीजे में 15 जज हैं, जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आते हैं। इनको संयुक्त राष्ट्र महासभा नौ साल के लिए चुनती है। लेबनान के न्यायाधीश नवाफ सलाम फिलहाल आईसीजे के प्रेसीडेंट हैं। अहम पहलू ये भी है कि अदालत का फैसला मानने के लिए इजराइल बाध्य नहीं होगा। इसके बावजूद आईसीजे की एक राय काफी अहमियत रखती है।

साल में चौथा सोलर फ्लेयर

सूर्य की सतह पर शक्तिशाली विस्फोट

■ सूर्य-पृथ्वी एक्सिस से दूर हुई घटना

एजेंसी | वॉशिंगटन

वैज्ञानिकों ने सूरज की सतह पर पांच साल में चौथे सबसे शक्तिशाली सोलर फ्लेयर को उठते हुए देखा है। यह घटना शुक्रवार की दोपहर 12.53 GMT पर दर्ज की गई। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह सोलर फ्लेयर सूर्य की सतह पर एक्टिव जोन 3676 में उठते हुए देखा गया।

रूसी विज्ञान अकादमी के अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान की सौर खगोल विज्ञान प्रयोगशाला ने अपनी वेबसाइट पर इस घटना की सूचना दी। प्रयोगशाला के अनुसार, यह घटना सूर्य-पृथ्वी एक्सिस से दूर सोलर सरफेस के पास हुई है।

पृथ्वी पर प्रभाव की आशंका बेहद कम

प्रयोगशाला के मुताबिक इस घटना को X2.6 के रूप में क्लासिफाइड किया गया है। इसका अर्थ यह है कि कैटलॉग के अनुसार, यह पिछले पांच वर्षों में चौथी सबसे बड़ा सोलर फ्लेयर है। इस सोलर फ्लेयर के पृथ्वी पर प्रकोप के प्रभाव की संभावना वर्तमान में बेहद कम आंकी गई है। ऐसी संभावना है कि फ्लेयर से निकलने वाले हाई स्पीड वाले आवेशित कण अंतरिक्ष यान को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, चुंबकीय तूफान और अरोरा उत्पन्न होने की संभावना पांच प्रतिशत से कम है।

एक सोलर सर्किल में हुए दो विस्फोट

यह सोलर फ्लेयर सक्रिय क्षेत्र 3576 से फूटा, जहां कुछ दिन पहले X3.3 स्तर का एक अन्य सोलर फ्लेयर रिकॉर्ड किया गया था। यह पहली बार था जब सूर्य के एक क्षेत्र में सोलर सर्किल के भीतर दो उच्च शक्ति वाले विस्फोट दर्ज किए गए हैं। पिछले पांच वर्षों में दर्ज किया गया सबसे शक्तिशाली सोलर फ्लेयर 1 जनवरी 2024 को देखा गया था। इसकी तीव्रता X5.0 मापी गई थी। सोलर फ्लेयर को उनके एक्स-रे उत्सर्जन की तीव्रता के अनुसार पांच ग्रेड ए, बी, सी, एम और एक्स में क्लासिफाई किया गया है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl